



छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

320 भारतीय लापता, 21 काटमांडू से पहुंचे दिल्ली

मलबे में जिंदगी की तलाश छत्तीसगढ़ से दो लापता

- त्रिशूली साइट से 350 मजदूरों का रेस्क्यू, 63 भारतीय शामिल
- आपदा के 3 दिन बाद भी निकल नहीं लाशें
- भीषण बाढ़ की दूसरी लहर का खतरा, नई चेतावनी जारी

नेपाल और तिब्बत की सीमा पर आई भीषण बाढ़ की तबाही को तीन दिन बीत चुके हैं, लेकिन मलबे से अब भी शव निकलने का सिलसिला थम नहीं रहा है। मरने वालों की संख्या शुक्रवार को बढ़कर 547 हो गई। इस बीच, तलाश और बचाव अभियान सतर्कता के साथ जारी है। त्रिशूली साइट से 350 मजदूरों का रेस्क्यू किया गया है, जिनमें 63 भारतीय शामिल हैं। हालांकि, अब भी 320 भारतीयों सहित दुनियाभर के 1500 लोग लापता हैं। छत्तीसगढ़ के दो लोगों को भी लापता बताया जा रहा है।

एजेंसी ►► काटमांडू/नई दिल्ली

एनडीआरआरएमए ने तलाश और बचाव कार्य तेज कर दिया है। बचाव अभियान में 7,451 सुरक्षाकर्मी जुटे हुए हैं जिनमें नेपाल सेना के 2,391 जवान शामिल हैं। नेपाल पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि इस हिमालयी देश के आठ जिलों से 547 शव बरामद किए गए हैं, जबकि हजारों लोग अब भी लापता हैं। पुलिस के अनुसार, नवलपरासी पूर्व से 134, चितवन से 221, गोरखा से 44 और नुवाकोट से 38 शव बरामद किए गए। इसी तरह, धादिंग से 40, तनाहु से 29, नवलपरासी पश्चिम से 28 और रसुवा से 13 शव बरामद किए गए हैं। नेपाल पर्यटन बोर्ड ने शुक्रवार को बताया कि इस त्रासदी के बाद बाढ़-प्रभावित अलग-अलग इलाकों से कम से कम 121 विदेशी पर्यटकों को बचाया गया है, जिनमें 85 ►►शेष पेज 6 पर



जलस्तर बढ़ा, दूसरी लहर का खतरा, नई चेतावनी जारी

काटमांडू। नेपाल के भोटेकोशी नदी क्षेत्र में जलस्तर बढ़ने के कारण अधिकारियों द्वारा शुक्रवार को जारी नई चेतावनी के साथ ही इस हिमालयी देश में भीषण बाढ़ की दूसरी लहर का खतरा मंडराने लगा है। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन ►►शेष पेज 6 पर



320 भारतीय लापता, 400 चीन में फंसे, 21 पहुंचे दिल्ली

नेपाल में पलेश प्लड के बाद राहत और बचाव अभियान जारी है। इस बीच नेपाल में फंसे 21 भारतीय नागरिक सुरक्षित दिल्ली लौट आए हैं। ये सभी लोग इंडिगो की फ्लाइट से दिल्ली पहुंचे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इन लोगों से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि नेपाल में अब भी करीब 315 भारतीयों से संपर्क नहीं हो पाया है।

इंग्लैंड में रहती हैं, ईशा योगा फाउंडेशन सतगुरु ग्रुप के साथ आई थीं भारत

वरिष्ठ भाजपा नेता की डॉक्टर पुत्री मीना गुप्ता भी लापता

हरिभूमि न्यूज ►► अम्बिकापुर

नेपाल-तिब्बत की सीमा पर आई बाढ़ के बाद शहर के भाजपा नेता और एल्डरमैन करताराम गुप्ता की पुत्री डॉ. मीना गुप्ता के लापता होने की खबर आई है। डॉ. मीना गुप्ता वर्तमान में इंग्लैंड में निवासरत थी और ईशा योगा फाउंडेशन सतगुरु ग्रुप के साथ भारत आई हुई थी। घटना के समय वे नेपाल के इमिग्रेशन सेंटर में थी। घटना के बाद से ही डॉ. मीना गुप्ता से परिजन का सम्पर्क नहीं हो पा रहा है जिसके बाद परिवार बेचैन है। इधर इस मामले में प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने इंडियन एंबेसी, विदेश मंत्रालय से संपर्क कर मदद का प्रयास कर रहे हैं। परिजन के साथ ही नगरवासी उनके सकुशल वापस लौटने की कामना कर रहे हैं। शहर के वरिष्ठ भाजपा नेता करता राम गुप्ता की पुत्री डॉ. मीना गुप्ता ►►शेष पेज 6 पर



बेटी से मिलने दिल्ली गए थे पिता

बताया जा रहा है कि इंग्लैंड से भारत आई बेटी ने अपने पिता करताराम गुप्ता को भी कैलाश मानसरोवर यात्रा पर चलने के लिए कहा था लेकिन उन्होंने मना कर दिया था। इसके बाद वे रक्षा बंधन पर्व के महुंजनगर अपनी बेटी से मिलने के लिए सरगुजा से दिल्ली रवाना हो गए ►►शेष पेज 6 पर

कैबिनेट मंत्री ने किया सम्पर्क

डॉ. मीना गुप्ता के भीषण त्रासदी के बाद लापता से परिवार परेशान है। इस बीच प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल लगातार कैद सरकार के सम्पर्क में हैं। उन्होंने कहा कि नेपाल से अत्यंत पीड़ा दायक खबर आई है। इस घटना में करता राम गुप्ता की पुत्री डॉ. मीना गुप्ता भी लापता हैं। वे बिट्टेन में अपनी सेवाएं दे रही थी। ►►शेष पेज 6 पर

सोने का सच्चा भाव

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट = ₹118715/- (75.00%)

22 कैरेट रेट = ₹144990/- (91.60%)

24 कैरेट रेट = ₹158270/- (99.99%)

Live Rate अन्द ज्वेलर्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें।

anand Jewels Pandri, Raipur

आपदा में अवसर

पत्नी नेपाल भागी, पति ने त्रासदी में लापता बताया, जांच में दूसरे युवक के साथ मिली



इंस्टाग्राम के जरिए हुई थी मुलाकात शादी के सात महीने बाद फरार हुई थी

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

नेपाल में रह रही पत्नी को तलाश करने एक युवक ने अनोखा तरीका अपनाया। उसने नेपाल में आई त्रासदी की आड़ लेकर थाने में अपनी पत्नी की मिसिंग की शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के माध्यम से नेपाल संपर्क कर युवती की खोजबीन की। पतासाजी करने पर युवती नेपाल के जनकपुर में किसी दूसरे युवक के साथ सुरक्षित मिली। वीडियोकॉल के माध्यम से पुलिस ने युवती से युवक की बात कराई। अपनी 24 वर्षीय पत्नी के मिसिंग होने की डीडीनगर निवासी डिगेश्वर यादव ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। ►►शेष पेज 6 पर

टोल-फ्री पर शिकायत, दूसरे दिन बात

नेपाल में बुधवार को भयंकर तबाही हुई। इससे लापता लोगों की तलाश के लिए केंद्र के साथ ही छत्तीसगढ़ सरकार ने भी टोल-फ्री नंबर जारी किया था। युवक ने टोल-फ्री नंबर 1070 और केंद्रोंल रूम नंबर 0771-2223471 में कॉल करके युवती को नेपाल के बाढ़ में लापता होना बताया। इसके बाद शासन स्तर पर नेपाल सरकार से संपर्क किया गया। वहां युवती की तलाश शुरू हुई। युवती नेपाल के जनकपुर में सही सलामत मिली। गुरुवार रात को डीडीनगर पुलिस ने युवती से वीडियो कॉल पर बात की।

खबर संक्षेप

कानपुर में बाइक की मिडंत, 3 की मौत

कानपुर। सिकंदरा के इटखुदा गांव के सामने मुगल रोड पर बाइक भिड़ंत में पिता पुत्री समेत 3की मौत हो गई। औरैया के फफूंद के कल्याणपुर खानपुर निवासी शिवम कुमार व दूसरी बाइक पर सवार गणेश कुमार, उनकी पत्नी गायत्री व छह वर्षीय बेटी पल्लवी की सामने सामने टक्कर हो गई। रक्षाबंधन पर गणेश पत्नी को लेकर ससुराल राजपुर जा रहे थे तभी हादसा हुआ। ईदमिलाद पर फिलिस्तीन का झंडा, 3 पर केस दर्ज बंगलुरु। कर्नाटक के शिवमोगा में ईद-ए-मिलाद-उन-नबी समारोह में फिलिस्तीनी झंडा लहराने के आरोप में पुलिस ने 3 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोप है कि 24 अगस्त को आरएमएल नगर में ईद मिलाद के लिए लगाए जा रहे एक कटाउट के ऊपर चढ़कर आरोपियों ने फिलिस्तीनी झंडा लहराया और इसका वीडियो शेयर किया।

रीवा में दादा और दो पोतियों समेत 4 की दर्दनाक मौत

रीवा। जिले के गुदु थाना क्षेत्र स्थित भैरव बाबा मोड़ पर गुरुवार शाम एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार बाइक और स्कूटी के बीच हुई आमने-सामने की जोरदार टक्कर में एक ही परिवार के दादा और उनकी दो मासुम पोतियों समेत 4 लोगों की मौत हो गई। चौड़ीयार गांव की रहने वाली दो बच्चियां शिवी तिवारी (4) और शक्ति तिवारी (5) रक्षाबंधन का सामान खरीदने गुदु बाजार आई थीं। घर लौटते समय रास्ते में उन्हें उनके दादा विंध्यवासिनी तिवारी (55) मिल गए, जिसके बाद दोनों बच्चियां दादा के साथ स्कूटी पर सवार होकर घर की ओर रवाना हुईं। जैसे ही स्कूटी भैरव बाबा मोड़ के पास पहुंची, सीधी की ओर से आ रही एक अनियंत्रित तेज रफ्तार बाइक ने स्कूटी को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सभी लोग सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

कश्मीर में रेंड अलर्ट 5 हाइब्रिड आतंकियों समेत 13 पर शिकंजा

एजेंसी ►► नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर पुलिस, भारतीय सेना और सीआरपीएफ ने पूरे कश्मीर में आतंकी नेटवर्क और उनके मददगारों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। एक निर्णायक और खुफिया जानकारी पर आधारित अभियान में संयुक्त टीमों ने 5 हाइब्रिड आतंकियों, ओवरग्राउंड वर्कर्स और आतंकियों के साथियों समेत 13 लोगों को पकड़ा है। साथ ही, शोपियां, पुलवामा, सोपोर (बारामूला) और कुलगाम जिलों में की गई संयुक्त कार्रवाई में भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद, हैंड ग्रेनेड और देश-विदेशी दस्तावेज/पोस्टर बरामद किए गए हैं।

शांति मंग करने की साजिश

जम्मू-कश्मीर में ये सफलताएं खुफिया एजेंसियों द्वारा इंटरसेप्ट की गई खास जानकारी की वजह से मिली हैं, जिसे संदिग्ध गतिविधियों, समाज आतंकी साजिशों, युद्ध जैसे सामान के भंडारण और हाइब्रिड तत्वों की हरकतों का पता चल था। निर्यंत्र रेखा से लेकर कश्मीर, शहरों और हवाई तक, सुरक्षा बलों ने आतंकी नेटवर्क को तोड़ने के लिए चौबीसी घंटे निगरानी, अतिरिक्त तैनाती, अचानक जांच और मोबाइल चेकपॉइंट्स के जरिए चौकसी बरती है।

ये होते हैं हाइब्रिड आतंकी

हाइब्रिड आतंकी वे लोग होते हैं जिनके नाम सुरक्षा बलों की लिस्ट या डेटाबेस में नहीं होते। वे आम नागरिकों की तरह जिंदगी जीते हैं- जैसे छात्र, मजदूर या कर्मचारी- लेकिन साथ ही इतने कट्टर हो जाते हैं कि आकाओं के कहने पर अवसर पिस्तौल या ग्रेनेड से टारगेटेड हमले कर सकें। हमले के बाद वे हथियार फेंक देते हैं और वापस समाज में घुल-मिल जाते हैं।

हरिभूमि न्यूज ►► बिलासपुर

चकरभाठा स्थित बिलासा देवी केवट हवाई अड्डे पर शुक्रवार को उस समय बड़ा हादसा टल गया, जब दिल्ली से बिलासपुर पहुंची अलार्गस एयर की फ्लाइट (91693) की रनवे पर लैंडिंग के दौरान विमान का टायर फट गया। अचानक हुए इस हादसे से एयरपोर्ट पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई।

पायलट की सूझबूझ और तत्परता से स्थिति पर तुरंत नियंत्रण पा लिया गया और विमान को सुरक्षित रूप से रनवे पर रोक लिया गया। राहत की बात यह रही कि विमान में सवार सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी को चोट नहीं आई है। सभी यात्रियों एवं क्रु मेम्बर को रनवे पर उतारकर सुरक्षित टर्मिनल बिल्डिंग तक पहुंचाया गया।घटना के बाद बिलासपुर से आगे जाने वाली फ्लाइट को अलाइंस एयर द्वारा रद्द कर दिया गया है।►►शेष पेज 6 पर

हादसे की वजह से प्रयागराज की फ्लाइट कैसिल



दूर तक घिसटता रहा विमान

लैंडिंग के दौरान पहिया फटने के बाद विमान के पहिए में आग लगने की भी जानकारी सामने आई है। इसके बाद विमान रनवे पर काफी दूर तक घिसटता चला गया। स्थिति बिगड़ते देख यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, पायलट ने समय रहते विमान को नियंत्रित कर लिया और एक बड़ा हादसा टल गया। फ्लाइट में कुल 37 यात्री सवार थे। हादसे के कि किसी यात्री के घायल या हाताहत होने की सूचना नहीं है। घटना के बाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई। इसके साथ ही घटना के बाद विमान की तकनीकी जांच की जा रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि लैंडिंग के दौरान पहिया फटने की वजह क्या थी। तकनीकी जांच पूरी होने के बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। क्षतिग्रस्त विमान को प्रयागराज उड़ान भी रद्द कर दी गई है।



बीते दिनों योगगुरु व भाजपा सांसद के बीच हुआ था विवाद रामदेव ने कंगना को भेजी राखी, एक्ट्रेस ने कहा- धन्यवाद

हरिभूमि ►► नई दिल्ली

योग गुरु बाबा रामदेव ने अभिनेत्री और बीजेपी सांसद कंगना रनौत को राखी भेजी है। बीते दिनों बाबा रामदेव और कंगना रनौत के बीच जुबानी जंग सामने आई थी। दोनों ने एक दूसरे पर आरोप लगाए थे। इस बीच बाबा रामदेव ने कहा कि अगर दोनों के बीच विवाद है तो वह संवाद के माध्यम से खत्म करना चाहते हैं। इस बीच कंगना ने भी बाबा रामदेव को धन्यवाद कहा है। योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा, 'मैं यह गिफ्ट और ये मिठाइयाँ हमारी बहन कंगना रनौत को पोस्ट से भेज रहा हूँ। देश में किसी भी वजह से नफरत नहीं होनी चाहिए, और एक-दूसरे के प्रति कोई दुश्मनी नहीं होनी' ►►शेष पेज 6 पर

एक-दूसरे पर चलाए गए थे जमकर जुबानी तीर



‘रिशतों में मिठास बनी रहे’

बाबा रामदेव ने कहा कि मैं बहन कंगना को गिफ्ट और मिठाई भेज रहा हूँ ताकि रिश्तों में मिठास बनी रहे। उन्होंने कहा कि बहुत सी ऐसी बातें होती हैं जो फलों-फलों में हम बोल देते हैं, लेकिन मैं आज उन सबको खत्म कर रहा हूँ, ताकि हम आगे प्रेम से आगे बढ़ें।

‘ईश्वर आपको लंबी उम्र दे’

इसके बाद कंगना ने जवाब देते हुए कहा, 'त्योहार का दिन ही होता है मूल चक्र माफ करने के लिए। मेरे भाई बाबा रामदेव जी ने बहुत अच्छा कहा कि विवाद नहीं संवाद होना चाहिए। आज रक्षाबंधन के दिन मैं उनकी मिठाई और बड़े भाई का प्रेम दोनों स्वीकार करती हूँ। बहुत धन्यवाद ईश्वर आपको लंबी उम्र दे।

यह हुआ था विवाद

हाल ही में बाबा रामदेव पर कंगना रनौत ने पलटवार किया था। दरअसल बाबा रामदेव ने कंगना रनौत के गटरछाप वाले बयान पर आपत्ति जताई थी। इसके बाद कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'बाबा जी, दिन में मेरी जवानी या बेडरूम के सपने मत देखिए। कोई सिर्फ अफवाह और चुगली के आधार पर सिर्फ अंधाशा लगा सकता है। कम से कम मुझे कभी सुप्रीम कोर्ट से झूठे और धोखाधड़ी वाले मेडिकल अस्त्र के दावों के लिए फटकार नहीं लगी, जो पक्के तथ्य आधारित हैं न कि अंधाधुंध एप। तो चरित्र को लेकर मुझे मत सिखाइए, तुमसे को बहुत बेहतर है मेरा चरित्र, मुझ पर कोई धोखाधड़ी का ►►शेष पेज 6 पर

रक्षाबंधन पर बहन को लेने गया था छोटा भाई, गांव में शोक

हरिभूमि न्यूज ►► दमोह

दमोह-कटनी रेलमार्ग पर रक्षाबंधन के पावन पर्व पर एक बेहद हृदयविदारक घटना सामने आई है। करैया और धरमपुरा रेलवे फाटक के पास एक ही परिवार के तीन सदस्यों की ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में भरत अहिरवार (58), उनकी पत्नी उमा अहिरवार (55) और उनका बड़ा बेटा मुकेश अहिरवार (30) शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार सुबह करीब 10:40 बजे हिंडोरिया थाना क्षेत्र के करैया गांव के पास मुकेश की ट्रेन से कटकर मौत हो गई थी। हादसे की खबर मिलते ही

दमोह में रक्षाबंधन पर पसरा मातम

बेटे ने की आत्महत्या तो माता-पिता भी ट्रेन के आगे कूदे, तीनों की मौत



पटरी पर मृतक लाल धरे में

बदहवास माता-पिता मौके पर पहुंचे। बेटे का शव देखकर दोनों गहरे सदमे में आ गए और इसके तुरंत बाद धरमपुरा रेलवे फाटक के पास वे दोनों भी ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी भी मौके पर ही मौत हो गई।

गर्मवर्ती है मृतक की पत्नी

मुकेश की शादी दो साल पहले हुई थी और उसकी पत्नी फिलहाल गर्भवती है। छोटा बेटा दौलत रक्षाबंधन पर अपनी बहन को लेने सागर गया हुआ था। उनके घर लौटने से पहले ही परिवार तिनके की तरह बिखर गया। पड़ोसी के अनुसार, घटना से 10 मिनट पहले मुकेश ने किसी पारिवारिक समस्या की बात कही थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और संबंधित एजेंसियों की टीम मौके पर पहुंची। तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा।

माह खत्म होने में 3 दिन बाकी, 30-40 प्रतिशत कार्डधारकों को अब तक नहीं मिल पाई शक्कर

हरिभूमि न्यूज़ : रायपुर

रायपुर ज़िले में नागरिक आपूर्ति निगम और ट्रांसपोर्ट एजेंसियों की लापरवाही के कारण उचित मूल्य की दुकानों में पिछले कई महीनों की तरह चालू माह में भी शक्कर का भंडारण कराने में बहुत विलंब हुआ है। इस कारण रक्षाबंधन जैसे त्योहार के पहले भी हजारों की संख्या में कार्डधारकों को शक्कर नहीं मिल पाई। सूत्र से पता चला है कि चालू महीने में अब तक लगभग 60 प्रतिशत कार्डधारकों को ही शक्कर बांटी जा सकी है, जबकि 30 से 40 प्रतिशत को अब तक नहीं मिल पाई है। इधर इस मामले में विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कितने प्रतिशत शक्कर बांटी गई है, इसका आंकड़ा देखकर ही बता पाएंगे।

महीना शुरू होने की पहली तारीख से ही उचित मूल्य की दुकानों में खाद्यान्न का वितरण शुरू हो जाना चाहिए, लेकिन खाद्यान्न के आवंटन के अनुसार सॉफ्टवेयर में डेटा अपडेट होता है। इस काम में 3 से 4 दिन लग जाते हैं, जिसकी वजह से इस दौरान ई-पॉस मशीनें भी काम नहीं करती और वितरण का काम बंद रहता



है। डाटा अपडेट होने के बाद ही ई-पॉस मशीनों में कार्डधारकों के कोटे का खाद्यान्न दिखाता है, जिसके अनुसार वितरण होता है। इस तरह हर महीने 5 तारीख से ही खाद्यान्न वितरण का काम उचित मूल्य दुकानों में शुरू हो पाता है। इधर दूसरी ओर नागरिक आपूर्ति निगम के गोदामों से अनुबंधित ट्रांसपोर्ट एजेंसियों के माध्यम से चावल का भंडारण तो दुकानों में कर दिया जाता है, लेकिन शक्कर का भंडारण 10 से 12 तारीख के बाद ही दुकानों में शक्कर का भंडारण शुरू किया जाता है। सूत्र के अनुसार, चालू माह में भी शक्कर का भंडारण 10 अगस्त के बाद शुरू किया गया, जिसके कारण कई उचित मूल्य की दुकानों में 15 तारीख तक भी शक्कर का भंडारण नहीं हो

पाया था। दुकान संचालकों द्वारा लगातार राशि डिपॉजिट कराने के बाद भी उन्हें शक्कर भेजी नहीं जा रही थी। हरिभूमि ने जब इस खबर को प्रार्थमिकता से प्रकाशित किया, तब जाकर उन दुकानों में शक्कर का भंडारण कराया गया।

3 दिन में शक्कर नहीं मिली तो हो जाएगी लैप्स

महीना खत्म होने में अब सिर्फ 3 दिन ही बचे हैं। इन दिनों में अगर बचे हुए कार्डधारकों को शक्कर नहीं मिल पाई तो उनके कोटे की शक्कर लैप्स हो जाएगी, यानी 17 रुपए प्रति किलो के भाव से गरीब तबके के लोगों को उचित मूल्य की दुकानों से मिलने शक्कर से भी वंचित होना पड़ेगा। हालांकि इनमें कई हितग्राही ऐसे भी हैं, जो चावल ले जाने के बाद शक्कर लेने के लिए दोबारा दुकान आते ही नहीं, या फिर चक्कर लगा-लगाकर, थक हारकर लौट जाते हैं। हालांकि देखा जाए तो इसके लिए कोई और नहीं, बल्कि नागरिक आपूर्ति निगम और ट्रांसपोर्ट एजेंसियों के लोग ही जिम्मेदार हैं, जिनकी गलती के कारण हर महीने सैकड़ों-हजारों कार्डधारकों को शक्कर से वंचित होना पड़ रहा है।

सिंगल यूज पॉलीथिन का धड़ल्ले से उत्पादन, कार्रवाई सिर्फ सब्जी-फल दुकान समेत छोटे कारोबारियों पर

हरिभूमि न्यूज़ : रायपुर

सिंगल यूज पॉलीथिन के उत्पादन और बिक्री पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसके बावजूद सिंगल यूज प्लास्टिक का धड़ल्ले से न केवल जमकर उत्पादन हो रहा है, बल्कि उसकी बिक्री भी हो रही है। इधर नगर निगम प्रशासन सिंगल यूज प्लास्टिक की बिक्री पर रोक लगाने के लिए समय-समय पर फुटपाथ एवं बाजार में लगाने वाले सब्जी, फल सहित अन्य ठेला-गुमटी एवं छोटी-छोटी दुकानों का निरीक्षण कर प्रतिबंधित सिंगल प्लास्टिक को जब्ती बनाते हुए उनके संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनसे जुर्माना भी वसूल रहा है, लेकिन सिंगल यूज प्लास्टिक का उत्पादन कर इसे बाजार में खपाने वाले फैक्ट्री मालिक के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। सूत्रों से पता चला है कि नगर निगम क्षेत्र में ही कुछ प्लास्टिक की फैक्ट्रियों में खुलेआम सिंगल यूज प्लास्टिक का उत्पादन किया जा रहा है, जिसकी जानकारी निगम के अधिकारियों को भी है, इसके बावजूद उन

बिक्री पर प्रतिबंध के बावजूद दुकानों में हो रहा उपयोग

फैक्ट्रियों का न ही निरीक्षण किया जाता है और न ही किसी प्रकार की कार्रवाई की जा रही है।

सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंधित होने के बावजूद इसकी बिक्री शहर के बाजार में खुलेआम हो रही है। नगर निगम प्रशासन इस प्रतिबंध आदेश का पालन कराने के लिए नगर निगम आयुक्त के निर्देश पर अभियान भी चला रहा है। इस अभियान में सभी जोन कार्यालयों के नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा टीम बनाई गई है, जिसमें कुछ निगम के कर्मचारी तथा ज्यादातर स्वच्छता दीदियों को शामिल किया गया है। स्वच्छता दीदियों की टीम लगातार अपने-अपने जोन क्षेत्र अंतर्गत बाजार से लेकर सड़क एवं फुटपाथ पर लगाई जाने वाली सब्जी, फल सहित छोटी-छोटी दुकानों तक पहुंच रही है और निरीक्षण करते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक मिलने

पर विक्रेताओं पर कार्रवाई कर जुर्माना राशि वसूल किया जा रहा है। नगर निगम का अभियान प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक की बिक्री पर अंकुश लगाना है, लेकिन कार्रवाई सिर्फ छोटे व्यापारियों के खिलाफ ही की जा रही है, जबकि बड़ी दुकानें, होटल तथा शराब अहाते, जहां सबसे ज्यादा थोक में सिंगल यूज प्लास्टिक बेचा और खरीदा जा रहा है। उनके खिलाफ कार्रवाई करना तो दूर, वहां औचक निरीक्षण तक नहीं किया जाता। इससे ठेला-गुमटी सहित छोटे व्यापारियों में निगम प्रशासन के विरुद्ध गुस्सा भी देखा जा रहा है।

जांच और कार्रवाई के लिए निगम ने स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत जो टीम गठित की है, उनमें से कई टीमों में शामिल कर्मचारियों एवं स्वच्छता दीदियों पर अब आरोप भी लगने लगे हैं कि उनके द्वारा छोटे व्यापारियों की दुकानों से सिंगल यूज प्लास्टिक मिलने पर उनसे दुर्व्यवहार भी किया जाता है तथा सख्त कार्रवाई का भय दिखाकर जुर्माना राशि या अवैध वसूली की जा रही है।

LAST 8 DAYS

दमदार DIRECT 50% की छुट

SUITING SHIRTING

CASUALS T-SHIRTS

TROUSERS JEANS

ETHNIC WEAR

WOMENSWEAR KIDSWEAR

PREMIUM BRANDS • BEST QUALITY • HONEST PRICES

VIMAL VATIKA

A COMPLETE HONEST SHOPEE

51, I.G.V.P., Cloth Market, Pandri, Raipur (C.G.)

0771 4055094

SUNDAY OPEN

V-SQUARE

by VIMAL VATIKA

Main Road, Science Center Turning, Near Ambuja Mall, Raipur (C.G.)

0771 3172293

FOLLOW US ON:  



श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री



श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़



राज्य खेल अलंकरण समारोह 2026

29 अगस्त 2026 अपराह्न 04:00 बजे

पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर

पुरस्कार वर्ष 2023-24, 2024-25 एवं 2025-26 के खिलाड़ियों को सम्मान

पुरस्कार एवं सम्मान

• शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार

• शहीद विनोद चौबे पुरस्कार

• शहीद कौशल यादव पुरस्कार

• शहीद पंकज विक्रम सम्मान

• वीर हनुमान सिंह पुरस्कार

• मुख्यमंत्री ट्रॉफी



राष्ट्रीय खेल दिवस की शुभकामनाएं...
आप सादर आमंत्रित हैं...



खेल एवं युवा कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन

देश के खाद्य सचिवों की दिल्ली में 1 सितंबर को बैठक नई व्यवस्था पर मंथन

हरिभूमि



छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

एआई रोकेगा धान खरीदी में घपला, सब कुछ होगा ऑनलाइन, भौतिक सत्यापन भी

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रायपुर

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदी में साल-दर-साल होने वाले घपले-घोटालों पर अब पूरी तरह रोक लगने की संभावना है। यह काम अकेले नहीं, देश के उन सभी राज्यों में किया जाएगा, जहाँ एमएसपी पर धान खरीदा जाता है। इस काम के लिए 'इम्पूव्ड राइस मॉनिटरिंग डैशबोर्ड', पीसीएसएपी ▶▶शेष पेज 6 पर



बैठक का मुख्य एजेंडा

बैठक के एजेंडे के अनुसार, खरीफ फसल (केएसएस 2026-27) के दौरान धान, चावल और सुधरे हुए चावल (इम्पूव्ड राइस) की खरीद के लिए व्यवस्थाओं, अनुमानों के निर्धारण, खरीद अवधि और मिलिंग अवधि पर विस्तार से चर्चा होगी। छत्तीसगढ़ चुकि देश के प्रमुख धान उत्पादक राज्यों में से एक है, इसलिए यहां खरीद के लक्ष्य और प्रबंध इस चर्चा के केंद्र में होंगे। इसके अलावा, ▶▶शेष पेज 6 पर

मंडारण और आपूर्ति शृंखला

मंडारण विभाग के सत्र के दौरान प्रकोरमेंट ऑपरेशन को सफाई चैन को ऑप्टिमाइज करने, 'अब्ना चक' को एससीएसएस और वीएलटीएस के साथ एकीकृत करने, और सार्वजनिक वितरण प्रणाली में खाद्यान्न की आवाजाही के लिए वीएलटीएस लागू करने पर चर्चा की जाएगी। छत्तीसगढ़ राज्य में खाद्यान्न मंडारण और डिपो प्रबंधन (डिपो दंपण) से जुड़े दिशा-निर्देशों का पालन भी इस एजेंडे का अहम हिस्सा है।

छत्तीसगढ़ में अरबों के घोटाले

छत्तीसगढ़ में राज्य गठन के बाद से लगातार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी हो रही है। हजारों करोड़ के इस सौदे में प्रायः हर साल अरबों रूपयों के घपले-घोटाले सामने आते हैं। पिछले खरीफ सीजन में ही खरीदे गए धान में से साढ़े 68 हजार मीट्रिक टन धान कम पाया गया है। यह धान सूखत या अन्य कारणों से कम हुआ है। राज्य सरकार किसानों से 31 सौ रुपए प्रति विंटल के हिसाब से धान खरीदती है। इसमें केंद्र द्वारा तय एमएसपी और राज्य सरकार द्वारा दी जानी वाली प्रोत्साहन की राशि शामिल होती है, लेकिन हर साल अरबों रूपयों के घोटाले हो जाते हैं। राज्य सरकार इन घोटालों की भरपाई करने के लिए अपने खजाने से राशि अवन करती है, लेकिन अब नया सिस्टम लागू होने से ये संभावना बंद सकती है कि ये घपले-घोटाले रुक पाएंगे।

पशुपालक दूध देने वाली गायों को ही देते हैं चारा और आश्रय

1460 गोधामों में 68 ही खुल पाए, कई जगह पेंच, इसलिए सड़कों पर गोवंश

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में बारिश के सीजन में गोवंश गाय, बैल, सांड सड़कों पर बड़ी संख्या में नजर आ रहे हैं। इसकी वजह से आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं। मवेशियों के साथ इंसान भी हादसों का शिकार बन रहे हैं। खास बात ये है कि राज्य सरकार ने सड़कों पर घूमने वाले आवारा मवेशियों के लिए गोधाम योजना शुरू की है, लेकिन इसके क्रियान्वयन में काफी बाधाएं हैं। हालत ये है कि राज्य में 68 गोधाम व्यवस्थापन के बाद केवल साढ़े 8 हजार गोवंश को आश्रय मिल पाया है, इसके बावजूद अगर गोवंश सड़कों पर मंडराता दिख रहा है तो इसकी सीधो जिम्मेदारी प्रशासन या सरकार की नहीं, बल्कि उन पशुपालकों की है, जो गाय को तभी तक पालते और चारा देते हैं, जब तक वह दूध देती है। साथ ही खेती के काम से गोवंश पहले ही बाहर हो चुका है। राज्य में सड़क हादसों में गायों की मौत, गोशाला में गायों की मौत की खबरें आए दिन देखने को मिल रही हैं। बारिश के इस सीजन में गोवंश सड़कों पर बैठे नजर आते हैं। राज्य में पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में मवेशियों के लिए गोठान योजना बनाई गई थी, लेकिन अब उसकी जगह मौजूदा सरकार की गोधाम योजना संचालित है। शासन की इस योजना के क्रियान्वयन में देरी की वजह से भी गोवंश को संरक्षण और आश्रय नहीं मिल पा रहा है।



गोधाम योजना अच्छी, लेकिन क्रियान्वयन में कई बाधाएं

खास खबर

गोधाम खोलने में कई दिक्कतें

बताया गया है कि गोधाम खोलने के मामले में ग्राम पंचायतें आड़े आ रही हैं। किसी भी गांव में गोधाम खोलने के लिए पंचायतों से एनओसी लेने का नियम है, लेकिन पंचायतें एनओसी नहीं दे रही हैं, या देने में द्बिकत पैदा कर रही हैं। इसमें एक और परेशानी ये है कि जो लोग गोधाम खोलना चाहते हैं, उन्हें पहले अपनी जेब से रकम लगानी पड़ती है, यह राशि जमीन पर फेंसिंग करने, टेपरेरी शेड बनाने और पानी बिजली की व्यवस्था करने में लगती है। यह सब करने के बाद गोधाम का पंजीयन गौसेवा आयोग में होता है। गोधाम खुलने के बाद पहले साल में एक गाय के लिए 10 रुपए रोज, दूसरे साल 20 और तीसरे साल में 35 रुपए रोज के हिसाब से राशि और कुल मिलाकर साल में 20 लाख तक देने का प्रावधान है।

गोधाम योजना का हाल

राज्य में सरकार ने 1460 गोधाम खोलने की योजना पर काम शुरू किया है। मार्च में 29 गोधाम एक साथ शुरू किए गए। इसके बाद से लेकर अब तक 151 गोधाम की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। 160 का पंजीयन गौसेवा आयोग में चुका है। 62 गोधाम में गोवंश का व्यवस्थापन किया गया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार करीब साढ़े 8 हजार गोवंश को सड़क से उठाकर गोधामों में रखा गया है। इससे अलग गौसेवा आयोग की 2025-26 की रिपोर्ट के अनुसार कुल 119 गोशालाएं संचालित हैं, इनमें 37 हजार 632 गोवंश पशुओं का संरक्षण किया जा रहा है।

पशुपालकों की लापरवाही

गोवंश की सड़क पर अफरा-तफरी और आवारा पशु के रूप में घूमने के पूरे मामले का एक सार ये भी है कि पशुपालक गायों को तब तक अपने घरों में रखकर पालते हैं जब तक वह दूध देती है। दूध न देने वाली गायों को बाहर विवरण के लिए छोड़ा जा रहा है। इसी क्रम में अब राज्य में खेती के काम में गोवंश, खासकर बैलों का कोई काम नहीं रह गया है। बारिश के सीजन में खेतों में फसल लगी होने के कारण पशुओं को वहां जाने से रोका जाता है। जगह-जगह पानी भरा होने के कारण गायें सड़कों पर सूखी जगह पाकर वहीं बैठ जाती हैं, यह हाल शहरी गांवों से लेकर मोहल्लों, पारा-बस्ती में नजर आता है। जानकारों का मानना है कि कोई गोवंश आवारा नहीं है, ये पालतू पशु हैं, लेकिन जब इन्हें घर या बाड़े से बाहर किया जाता है तो ये आवारा हो जाते हैं।

गायों को घर पर रखकर पालना जरूरी

बारिश के मौसम में गोवंश सड़कों पर इसलिए आते हैं कि उन्हें सूखी जगह की जरूरत होती है, लेकिन जरूरत इस बात की है कि गायों को घरों में रखकर पाला जाए और उनकी सेवा की जाए। सड़कों पर घूमने वाले गोवंश को पकड़कर गोधामों में संरक्षित किया जा रहा है, लेकिन गोवंश पालन के मामले में जानरक्षता की जरूरत है। - डॉ समीर शर्मा, पंजीयक, गौसेवा आयोग, छग

चार साल के मासूम को ट्रैक्टर ने रौंदा, गुस्साई भीड़ ने लगा दी आग मार-मारकर चालक को अधमरा किया



हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ सिरौं (कुरुद)

शुक्रवार को जहां पूरे क्षेत्र में भाई बहन के पवित्र प्रेम का पर्व रक्षाबंधन मनाया जा रहा था वहीं ग्राम नारी में ट्रैक्टर चालक की लापरवाही ने एक ऐसे घटना को अंजाम दे दिया, जिसमें नारी निवासी सोनी परिवार के कुल का इकलौता चिराग बुझ गया। त्योहार की खुशी मातम में बदल गई। नारी के बस स्टैंड में सुबह 8 बजे रेत से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली ने 4 साल के मासूम को कुचल दिया। दुर्घटना के बाद गुस्साए लोगों ने ट्रैक्टर चालक को मार-मारकर अधमरा कर दिया और ट्रैक्टर को आग के हवाले कर दिया।

जानकारी के मुताबिक रेत से भरे बिना नंबर प्लेट वाली ट्रैक्टर को चालक शराब पीकर चला रहा था और ग्राम कोकड़ी की तरफ जाने के लिए मुड़ रहा था। उसी दर्यान ट्रैक्टर ने 4 साल के फनीश सोनी को कुचल दिया। बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। इस ट्रैक्टर को ग्राम नारी निवासी रूपेश साहू पिता चंद्रहास साहू उम्र 28 वर्ष चला रहा था। घटना को देख पास खड़े ग्रामीण दौड़े। समीप में घर होने से मासूम बच्चे के परिजन भी ▶▶शेष पेज 6 पर

ट्रैक्टर को किया आग के हवाले

दुर्घटना के बाद ग्रामीणों की भीड़ ने ट्रैक्टर को आग के हवाले कर दिया और चालक की ताबड़तोड़ पिटाई कर दी। वह मौके पर घायल होकर मिर पड़ा और 3 घंटे तक रास्ते में ही पड़ा रहा। ग्रामीणों ने 3 घंटे तक जमकर हंगामा किया। मासूम बच्चे की पहचान फनीश सोनी पिता नागमणी सोनी उम्र 4 वर्ष के रूप में की गई। पिता अपने इकलौते बेटे की लाश पकड़ कर रोड में ही बैठा रहा। सूचना पर कुरुद पुलिस मौके पर अपने दलबल के साथ पहुंची और गुस्साई भीड़ को काबू करने का प्रयास किया। लेकिन ग्रामीणों ने लगभग 3 घंटे तक रोड जाम किया। इससे आने-जाने वालों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।



धमतरी जिले के कुरुद ब्लॉक के ग्राम नारी की घटना

रक्षाबंधन के दिन सोनी परिवार का इकलौता चिराग बुझा

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY

चैनल नं. 1155 चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

ग़ैद शतरंज टूर जीतने वाले पहले भारतीय

सेंट लुई। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने इतिहास रचते हुए ग्रैंड शतरंज टूर फाइनल का खिताब जीत लिया। उन्होंने फाइनल में अमेरिका के फैबियानो कारुआना को 15-13 से हराया। इसके साथ ही वह इस प्रतिष्ठित खिताब को जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए।

भाजपा ने किया चुनाव 'हाईजैक': ममता कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनाव आयोग का इस्तेमाल कर पिछले विधानसभा चुनावों को हाईजैक कर लिया था। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने मतदाता सूची से लाखों नाम अवैध रूप से हटाकर वोट लुटने के लिए एसआईआर का इस्तेमाल किया। कोलकाता में टीएमसी की छात्र

बिजली कनेक्शनों के लिए भी अब ई-केवाईसी जरूरी

1 सितंबर से प्रारंभ होगी प्रक्रिया



■ मोर बिजली एप में भी रहेगी सुविधा, मीटर रीडर भी घर-घर जाकर करेंगे

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रायपुर

प्रदेश के 65 लाख बिजली उपभोक्ताओं के लिए भी अब ई-केवाईसी जरूरी कर दिया गया है। इसको लेकर छत्तीसगढ़ राज्य पाँवर कंपनी ने तैयारी प्रारंभ पूरी कर ली है। राजधानी के डीडीनगर जोन में इसका दायल भी चल रहा है। 1 सितंबर से मोर बिजली एप के माध्यम से भी ई-केवाईसी किया जा सकेगा। इसी के साथ मीटर रीडरों की ई-केवाईसी के लिए अलग से काउंटर बगाए जा रहे हैं। इन काउंटरों में चेहरे के साथ ही थंब इंप्रेशन का भी ऑप्शन रहेगा। उपभोक्ता अपने क्षेत्र के डीसी सेंटर में भी जाकर ई-केवाईसी करा सकते हैं। उपभोक्ताओं को बस अपना आधारकार्ड ले जाना होगा, साथ ही बिजली बिल भी ले जाना होगा, ताकि उससे बीपी नंबर लिया जा सके। नाम सुधारा जाएगा और नाम परिवर्तन भी

मोर बिजली एप में ऐसी होगी प्रक्रिया

मोर बिजली एप के माध्यम से उपभोक्ता खुद भी ई-केवाईसी कर पाएंगे। इसके लिए मोर बिजली एप में विशेष व्यवस्था की गई है। मोर बिजली एप में जैसे ही आधार नंबर डालेंगे तो सॉफ्टवेयर आधार का नाम और बिजली कनेक्शन के नाम का मिलान करेगा। नाम एक ही होने पर आगे की प्रक्रिया जारी रहेगी। इसमें आधार नंबर डालने पर ओटीपी आएगी, ओटीपी डालने पर चेहरे की फोटो खींचने का ऑप्शन आएगा और अपनी सेल्फी खींचकर उपभोक्ता जैसे ही उसको अपलोड करेंगे, ई-केवाईसी पूरा हो जाएगा।

अंकित बालियान हत्याकांड 4 शूटर, ताबड़तोड़ फायरिंग नया वीडियो आया सामने



नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के शामली में मशहूर हरियाणावी सिंगर अंकित बालियान की हत्या के मामले में एक बहुत बड़ा अपडेट सामने आया है। बुधवार शाम मोहल्ला आर्यपुरी की नाल पटरी पर सिंगर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस वारदात के बाद पूरे ▶▶शेष पेज 6 पर

हमलावरों की पहचान में जुटी पुलिस यह सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस की जांच में तेजी आ गई है। अब पुलिस चारों हमलावरों की पहचान करने में जुट गई है। फुटेज की मदद से पुलिस उनके चेहरे, कपड़े और भागने के रास्ते का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

सेबी की मंजूरी, 27 करोड़ नए शेयर जारी करेगी कंपनी जियो को हरी झंडी, आएगा सबसे बड़ा आईपीओ

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल सेवा इकाई को शेयर बाजार में उतरने के लिए नियामक से हरी झंडी मिल गई है। कंपनी 27 करोड़ नए इक्विटी शेयर जारी कर करीब चार अरब डॉलर जुटाने की योजना बना रही है। इस राशि का इस्तेमाल सामान्य कार्यों के साथ रिलायंस जियो इन्फोकॉम के कर्ज भुगतान में किया जाएगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल सेवा इकाई जियो प्लेटफॉर्म लि. को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए बाजार नियामक सेबी की मंजूरी मिल गई है। कंपनी इस आईपीओ के जरिए करीब चार अरब डॉलर (लगभग 37,700 करोड़ रुपये) जुटाने की उम्मीद कर रही है।

सेबी की अंतिम टिप्पणियां

जियो प्लेटफॉर्म ने प्रस्तावित सार्वजनिक निर्गम के लिए जून में भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) के पास मसौदा दस्तावेज दाखिल किए थे। सेबी के पास उपलब्ध जानकारी के अनुसार, जियो प्लेटफॉर्म को 28 अगस्त को सेबी की अंतिम टिप्पणियां मिल गईं। आईपीओ प्रक्रिया में सेबी की टिप्पणियां एक महत्वपूर्ण चरण होती हैं। इसके बाद कंपनी नियामकीय प्रारूपों का पालन करते हुए सार्वजनिक निर्गम लाने के लिए आगे की तैयारियां कर सकती है।

राखी पर सीएम हाउस गुलजार बहनों ने साय को बांधी राखी

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रायपुर

मुख्यमंत्री निवास में आज रक्षाबंधन का पर्व आत्मीयता, स्नेह और उल्लास के वातावरण में मनाया गया। समाज के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचीं माता-अं- बहनों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की कलाई पर राखी बांधकर उन्हें अपना स्नेह और आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री ने सभी बहनों का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा, बहनों का यह स्नेह उनके लिए अनमोल है और ▶▶शेष पेज 6 पर



जवानों की कलाई पर सजी राखी में राष्ट्र के प्रति सम्मान का भाव

मुख्यमंत्री श्री साय ने राजधानी रायपुर में आयोजित 'स्नेह की डोर' कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा, रक्षाबंधन के पर्व को देश और प्रदेश की सुरक्षा में समर्पित जवानों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता के भाव से जोड़ना अत्यंत सुखद अनुभव रहा। उन्होंने कहा, स्व-सहायता समूहों की बहनों, दिव्यांग बहनों और शहीद जवानों के परिवारों की महिलाओं ने सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ और आईटीबीपी सहित विभिन्न ▶▶शेष पेज 6 पर



यहां किया जाएगा आय का उपयोग

सूत्रों ने कहा कि कंपनी करीब 137 अरब डॉलर के मूल्यंकन पर आईपीओ के जरिए लगभग 37,700 करोड़ रुपये जुटा सकती है, जिससे यह देश के इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ बन जाएगा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का प्रस्तावित आईपीओ लगभग 30,000 करोड़ रुपये का रहने का अनुमान है।

बाजार की रहेगी कड़ी नजर जियो प्लेटफॉर्म के बड़े पैमाने और प्रमुख निवेशक आधार को देखते हुए, प्रस्तावित आईपीओ पर निवेशकों और बाजार की कड़ी नजर रहेगी। जियो प्लेटफॉर्म ने इससे पहले दुनिया के कुछ सबसे बड़े प्रौद्योगिकी और निजी इक्विटी निवेशकों को आकर्षित किया है। वर्ष 2020 में, कंपनी ने फेसबुक के प्रवर्तक मैग से 9.99 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए 43,574 करोड़ रुपये जुटाए थे। मेटा और गूगल के पास कुल मिलाकर 17.71 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि शेष हिस्सेदारी अन्य निवेशकों के पास है।

खबर संक्षेप

विप्रो 10 हजार एआई विशेषज्ञ करेगी तैयार नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी विप्रो उद्यमों के लिए गूगल जेमिनी आधारित नए समाधान विकसित करने के लिए 10,000 कृत्रिम मेधा (एआई) प्रमाणित विशेषज्ञों की टीम तैयार करेगी। कंपनी ने कहा कि इन 10,000 एआई विशेषज्ञों में 1,500 “फॉरवर्ड डिप्लॉयड इंजीनियर (एफडीई)” भी शामिल होंगे, जो ग्राहकों के परिसर में जाकर प्रौद्योगिकी सहायता उपलब्ध कराएंगे।

टीवीएस मोटर ने पेमैन को किया सीईओ नियुक्त मुंबई। टीवीएस मोटर कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि उसने वृद्धि के अपने अगले चरण को समर्थन देने के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार के अपने अध्यक्ष पेमैन कारगर को निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। टीवीएस मोटर कंपनी ने एक बयान में कहा कि पेमैन की नियुक्ति अगले साल 27 जनवरी से प्रभावी होगी और वह के एन राधाकृष्णन का स्थान लेंगे। बयान में कहा गया कि अपनी नई भूमिका में, पेमैन कंपनी का नेतृत्व करेंगे क्योंकि कंपनी उत्पाद नवाचार, प्रीमियमकरण और विकसित बाजारों में विस्तार के माध्यम से भारत और विश्व स्तर पर अपने व्यापार को और बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

वारबर्ग पिन्कस ने अपोलो टायर्स में हिस्सेदारी बेची नई दिल्ली। निजी इक्विटी कंपनी वारबर्ग पिन्कस ने खुले बाजार में लेनदेन के जरिये अपोलो टायर्स में 4.25 प्रतिशत हिस्सेदारी 1,175 करोड़ रुपये में बेच दी। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका स्थित वारबर्ग पिन्कस की इकाई एमराल्ड सेज इन्वेस्टमेंट लिमिटेड ने गुरुग्राम स्थित अपोलो टायर्स में 4.25 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर कुल 2,70,10,000 शेयर बेचे। विनिर्माण कंपनियों के लिए कच्चे माल की लागत बढ़ी मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने के बीच वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में सूचीबद्ध विनिर्माण कंपनियों का कच्चे माल पर खर्च सालाना आधार पर 27.5 प्रतिशत बढ़ गया। हालांकि, कंपनियां उत्पादों की कीमत तय करने की अपनी क्षमता बनाए रखने में सफल रहीं और उनका लाभ भी बढ़ा। टाटा मोटर्स की नई ब्रांड पहचान ‘टाटा.कार्स’ पेश मुंबई। घरेलू वाहन कंपनी टाटा मोटर्स पैसंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवी) ने अपने यात्री वाहन कारोबार के लिए नई ब्रांड पहचान “टाटा.कार्स” पेश की। टाटा समूह की कंपनी ने कहा कि इस ब्रांड के तहत उसके हेचबैक, सेडान, प्रीमियम एसयूवी और इलेक्ट्रिक वाहनों सहित यात्री वाहन पोर्टफोलियो को एक साझा पहचान दी जाएगी। टीएमपीवी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शैलेश चंद्रा ने कहा, “”भारत की पहली स्वदेशी कार से लेकर इलेक्ट्रिक वाहन खंड की अगुवाई करने और सुरक्षा को आम बनाने तक, हमने लगातार सीमाओं को चुनौती दी है। कैपिटल ग्रुप ने वेलस्पन कॉर्प में खरीदी हिस्सेदारी नई दिल्ली। कैपिटल ग्रुप, एवरडीन इन्वेस्टमेंट्स और घरेलू निवेशकों ने भवन निर्माण सामग्री कंपनी वेलस्पन कॉर्प में सामूहिक रूप से 2.4 प्रतिशत हिस्सेदारी 1,433.44 करोड़ रुपये में खरीदी है। यह खरीद एनएसई पर कई थोक सौदों के जरिये की गई है। हिस्सेदारी खरीद की खबर के बाद वेलस्पन कॉर्प के शेयर में करीब छह प्रतिशत की तेजी आई और कारोबार के दौरान यह 2,437.30 रुपये के 52-सप्ताह के उच्च स्तर पर पहुंच गया। निवेशकों ने कुल 63 लाख शेयर खरीदे, जो मुंबई स्थित इस कंपनी में 2.39 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है।

यूपीआई आने से कैश निकालना भूले लोग, गायब हो रहे मोहल्ले से एटीएम, बैंकों पर मार

एजेंसी>>>नई दिल्ली

एक समय था जब पैसे निकालने के लिए लोग अपने घर के आसपास एटीएम ढूँढते थे। लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। मोहल्लों और बाजारों में नजर आने वाले कई एटीएम धीरे-धीरे अब कम हो रहे हैं। इसकी बड़ी वजह लोगों की बदलती पेमेंट की आदतें हैं। यूपीआई के ज्यादा इस्तेमाल ने कैश की जरूरत काफी कम कर दी है, जिसका असर एटीएम नेटवर्क पर भी दिखाई दे रहा है। भारत में एटीएम और कैश रीसाइक्लर मशीनों की संख्या लगातार तीसरे साल कम हुई है। आरबीआई के

यूपीआई पेमेंट का आसान मोटवे बना

अब छोटे बड़े कई दुकानों पर भी यूपीआई से आसानी से पेमेंट हो जाता है। लोगों को रोजमर्रा के खर्च के लिए अब में ज्यादा कैश रखने की जरूरत नहीं पड़ती। इसी बदलाव का असर एटीएम के इस्तेमाल पर दिख रहा है। जब मशीनों पर कस्टमर्स का आना जाना और लेनदेन कम होते हैं, तो बैंकों के लिए हर जगह एटीएम बनाए रखना भी पहले जितना जरूरी नहीं रह जाता।

सरकारी बैंक आगे प्राइवेट बैंक पीछे

एटीएम नेटवर्क में सरकारी और प्राइवेट बैंकों की हालात भी अलग रही। सरकारी बैंकों की हिस्सेदारी मार्च 2024 में 61.56 प्रतिशत थी, जो मार्च 2026 तक ज्यादा होकर 64.18 प्रतिशत हो गई। इसके दूसरी तरफ प्राइवेट बैंकों की हिस्सेदारी 36.51 प्रतिशत से कम होकर 33.76 प्रतिशत हो गई।

यूपीआई ने बदली पेमेंट की आदत

इस दौरान ऑनलाइन लेनदेन 20.69 करोड़ से ज्यादा होकर 33.51 करोड़ हो गया। वहीं, डेबिट कार्ड से खर्च भी 3.21 लाख करोड़ रुपए से कम होकर 2.57 लाख करोड़ रुपए रह गया। साफ है कि लोग अब कैश निकालने या कार्ड स्वाप करने के बजाय यूपीआई से सीधे पेमेंट करना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इसी बदलती आदत के वजह से बैंक अब पहले के मुकाबले नए एटीएम लगाने की रफ्तार कम कर दे रहे हैं।

सरकार ने कहा, चीनी की खुदरा कीमतों में नरमी आनी शुरू चीनी मिलों को सितंबर से पखवाड़ा के हिसाब से बिक्री कोटा, कीमतों में नरमी आई: मंत्रालय

एजेंसी>>>नई दिल्ली

सरकार ने शुक्रवार को कहा कि चीनी की खुदरा कीमतों में नरमी आनी शुरू हो गई है और मिल स्तर पर कीमतें पिछले कुछ दिनों में करीब 20 प्रतिशत घट चुकी हैं। इसके साथ ही सरकार ने कहा कि घरेलू बाजार में चीनी की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने और कृत्रिम किल्लत रोकने के लिए सितंबर से मिलों को पखवाड़े के हिसाब से बिक्री कोटा दिया जाएगा। फिलहाल खाद्य मंत्रालय चीनी मिलों को बिक्री के लिए मासिक कोटा आवंटित करता है। मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि वह चीनी की उपलब्धता और कीमतों पर करीबी नजर रख रहा है तथा देश में चीनी की कोई कमी नहीं है। बयान के मुताबिक, चीनी मिलों में मौजूद स्टॉक का भौतिक सत्यापन कराया गया। इसमें कुछ मिलों के पास मासिक रिटर्न में घोषित मात्रा से अधिक भंडार पाया गया, जबकि कुछ मिलों ने उन्हीं आवंटित मासिक कोटे से कम चीनी बेची।

सरकार कृत्रिम किल्लत रोकने सितंबर से उठाएगी कदम

माह के अंत में उठान से दाम बड़े

कुछ मामलों में महीने की शुरुआत में मिलों द्वारा बेची गई चीनी की आपूर्ति या खरीदारों द्वारा उठान महीने के अंत में किया जा रहा था। इससे बाजार में कृत्रिम किल्लत की स्थिति पैदा हुई। मंत्रालय ने कहा कि इस समस्या से निपटने के लिए सितंबर से पखवाड़े के आधार पर कोटा व्यवस्था लागू की जाएगी। इसके तहत मिलों को पहले सप्ताह में आवंटित मात्रा की कम-से-कम 40 प्रतिशत चीनी बेचनी होगी और शेष मात्रा अगले सप्ताह में बेचनी होगी।

चीनी की किल्लत नहीं घबराकर खरीदारी

मंत्रालय ने कहा कि इन कदमों के बाद मिल स्तर पर चीनी की कीमतें हाल के दिनों में करीब 20 प्रतिशत घट गई हैं और खुदरा कीमतों में भी नरमी शुरू हो गई है। आपूर्ति श्रृंखला में कीमतों में बदलाव का असर होने के कारण खुदरा कीमतों में भी जल्द गिरावट आने की उम्मीद है।

जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त भंडार हो सकता है जारी

इस पहले से मांग और आपूर्ति की स्थिति पर बेहतर नजर रखने, बाजार परिस्थितियों में बदलाव के अनुरूप तेजी से कदम उठाने और कृत्रिम किल्लत रोकने में मदद मिलेगी। जरूरत पड़ने पर बाजार में पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के लिए अतिरिक्त भंडार जारी किया जा सकेगा। सात दिनों के भीतर मिलों की आपूर्ति का निदेश

10 लाख टन कच्ची चीनी आयात की अनुमति

मंत्रालय ने कहा कि घरेलू बाजार में पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने हाल में कई कदम उठाए हैं। इनमें 31 अक्टूबर तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के आयात की अनुमति और डॉलरों एवं पेय पदार्थ विनिर्माताओं जैसे थोक उपभोक्ताओं पर भंडार सीमा लगाना शामिल है। चीनी के निर्यात पर कुछ महीने पहले ही रोक लगाई जा चुकी है।

सैंसेक्स 331 अंक चढ़ा, निफ्टी भी मजबूत

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 12.42 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 21 अगस्त को समाप्त सप्ताह में 12.42 अरब डॉलर बढ़कर 729.33 अरब डॉलर के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके एक सप्ताह पहले विदेशी मुद्रा भंडार 9.90 अरब डॉलर बढ़कर 716.91 अरब डॉलर रहा था। इससे पहले भारत के विदेशी मुद्रा भंडार का रिकॉर्ड 728.49 अरब डॉलर था।

सोना 3,300 रुपए टूटा, तीन दिन में 4,700 रुपए की गिरावट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत शुक्रवार को 3,300 रुपये टूटकर 1.62 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अमेरिकी डॉलर में मजबूती और कारोबारियों की मुनाफावसूली से सोने में लगातार तीसरे सत्र में गिरावट रही। स्थानीय कारोबारियों ने कहा कि 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 3,300 रुपये की गिरावट के साथ 1,62,400 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गया। टैप्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स को शानदार शुरुआत के साथ उसने इस साल 19 जनवरी को सूचीबद्ध हुई।

टेम्पसेंस का शेयर पहले दिन करीब 96 प्रतिशत चढ़ा

नई दिल्ली। टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) लि. का शेयर शुक्रवार को कारोबार के पहले दिन 300 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 96 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। इसके साथ ही तापमान मापने और ताप संबंधी समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) लिमिटेड इस साल अब तक सबसे अधिक बढ़त के साथ सूचीबद्ध होने वाली कंपनी बन गई है। बीएसई में कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य से 110.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ 631.20 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ।

सैंसेक्स 331 अंक चढ़ा, निफ्टी भी मजबूत

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 12.42 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 21 अगस्त को समाप्त सप्ताह में 12.42 अरब डॉलर बढ़कर 729.33 अरब डॉलर के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके एक सप्ताह पहले विदेशी मुद्रा भंडार 9.90 अरब डॉलर बढ़कर 716.91 अरब डॉलर रहा था। इससे पहले भारत के विदेशी मुद्रा भंडार का रिकॉर्ड 728.49 अरब डॉलर था।

सोना 3,300 रुपए टूटा, तीन दिन में 4,700 रुपए की गिरावट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत शुक्रवार को 3,300 रुपये टूटकर 1.62 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अमेरिकी डॉलर में मजबूती और कारोबारियों की मुनाफावसूली से सोने में लगातार तीसरे सत्र में गिरावट रही। स्थानीय कारोबारियों ने कहा कि 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 3,300 रुपये की गिरावट के साथ 1,62,400 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गया। टैप्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स को शानदार शुरुआत के साथ उसने इस साल 19 जनवरी को सूचीबद्ध हुई।

टेम्पसेंस का शेयर पहले दिन करीब 96 प्रतिशत चढ़ा

नई दिल्ली। टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) लि. का शेयर शुक्रवार को कारोबार के पहले दिन 300 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 96 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। इसके साथ ही तापमान मापने और ताप संबंधी समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) लिमिटेड इस साल अब तक सबसे अधिक बढ़त के साथ सूचीबद्ध होने वाली कंपनी बन गई है। बीएसई में कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य से 110.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ 631.20 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ।

मुथूट फाइनेंस और मणपूरम फाइनेंस देश की बड़ी गोल्ड कंपनियों में शामिल

गोल्ड लोन ने देश के दो परिवारों को बनाया अरबपति, तिजोरी में 273 टन सोना

एजेंसी>>>नई दिल्ली

भारत में सोने को अक्सर लोग मुश्किल समय की बचत मानते हैं, लेकिन इसी सोने ने दो भारतीय परिवारों के लिए अरबों डॉलर की दौलत खड़ी कर दी। गोल्ड लोन के ज्यादा बिजनेस ने मुथूट फाइनेंस और मणपूरम फाइनेंस को देश की बड़ी गोल्ड लोन कंपनियों में शामिल कर दिया है। इन कंपनियों के पीछे खड़े परिवारों की जायदाद भी अब अरबों डॉलर में पहुंच चुकी है। मुथूट फाइनेंस के जॉर्ज अलेक्जेंडर मुथूट और उनके परिवार की जायदाद करीब 9.9 अरब डॉलर है। वहीं, मणपूरम फाइनेंस के चेयरमैन वीपी नंदकुमार की कुल जायदाद करीब 1.4 अरब डॉलर आई गई है। दोनों की जायदाद ज्यादा होने में गोल्ड लोन बिजनेस का बड़ा हिस्सा रही है।

1887 में शुरू हुआ मुथूट परिवार का बिजनेस

मुथूट परिवार का बिजनेस 1887 में केरल से शुरू हुआ था। मुथूट गिनाम मथाई ने उस समय सामान बेचने की एक दुकान शुरू की थी। बाद में परिवार ने चिट फंड के जरिए किसानों और एस्टेट में काम करने वाले लोगों को पैसे उधार देने का काम शुरू किया। साल 1939 में परिवार ने सोने के बदले कर्ज देना शुरू किया। करीब 40 साल बाद बिजनेस तीन भाइयों में बांटा गया। सबसे बड़े बेटे मथाई जॉर्ज मुथूट ने उस लैंडिंग कंपनी को आगे किया, जो बाद में मुथूट फाइनेंस बनी।

दोनों परिवारों ने फैलाया व्यापार

आज मणपूरम माइक्रोफाइनेंस, हाउसिंग फाइनेंस, बिजनेस और गाड़ी लोन जैसे इलाकों में भी काम कर रही है। वहीं मुथूट ने मॉर्गेज, आईटी, ऊर्जा, रियल एस्टेट, शिक्षा, हेल्थकेयर और हॉस्पिटैलिटी जैसे इलाकों में बिजनेस फैलाया है। लेकिन, दोनों कंपनियों के बिजनेस की सबसे मजबूत नींव आज भी गोल्ड लोन ही है।

मणपूरम ने भी बदला व्यवसाय

मणपूरम फाइनेंस के चेयरमैन वीपी नंदकुमार ने अपने पिता के गिरवी रखने और पैसे उधार देने वाले बिजनेस को संभालकर शुरुआत की। 32 साल की उम्र में उन्होंने केरल के वालापड में बिजनेस की जिम्मेदारी ली। 1990 के करीब 5.6 साल बाद तक कंपनी शेयर बाजार में लिस्ट हो गई। बाद में कंपनी ने गोल्ड लोन पर ज्यादा ध्यान देना शुरू किया। 2007 में नंदकुमार ने इकरा की मदद से भारतीय परिवारों के पास मौजूद सोने का अंदाजा लगाया। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय परिवारों के पास करीब 18,000 से 25,000 टन सोना था। इसके बाद कंपनी ने गोल्ड लोन को अपने बिजनेस का मुख्य हिस्सा बनाया और सिक्योरिटी कैपिटल से 1.4 करोड़ डॉलर की फंडिंग भी जुटाई।

चांदी के 77 लाख से अधिक आभूषणों को मिला हॉलमार्क

एजेंसी>>>नई दिल्ली

चांदी के 77 लाख से अधिक आभूषणों और कलाकृतियों पर पिछले साल सितंबर से छह अंकों वाली विशिष्ट पहचान संख्या (एचयूआईडी) अंकित की जा चुकी है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने यह जानकारी दी। बीआईएस के अनुसार, चांदी पर हॉलमार्किंग के मामले में दक्षिणी राज्य सबसे आगे है। बीआईएस ने एक बयान में कहा कि सितंबर, 2025 को चांदी के लिए एचयूआईडी पोर्टल शुरू किए जाने के बाद अब तक 77 लाख से अधिक चांदी के आभूषणों पर एचयूआईडी अंकित किया जा चुका है। चांदी के आभूषणों पर ‘हॉलमार्किंग’ अक्टूबर 2005 से स्वीच्छक है। सितंबर 2025 से हॉलमार्क वाले चांदी के आभूषणों पर छह



अंकों वाली एचयूआईडी अंकित की जा रही है। इससे खरीदार आभूषण की शुद्धता की जांच कर सकते हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में 32 लाख चांदी के आभूषणों पर हॉलमार्क लगाया गया था, लेकिन उन पर एचयूआईडी अंकित नहीं था। बीआईएस के अनुसार, हॉलमार्क वाले चांदी के आभूषणों में 925 और 800 शुद्धता वाले आभूषणों की हिस्सेदारी करीब 95 प्रतिशत है। एचयूआईडी शुरू होने के बाद चांदी के आभूषणों की हॉलमार्किंग में लगातार बढ़ोतरी हुई है।बीआईएस के लिए अब तक 25,000 से अधिक चांदी के आभूषण विक्रेता हॉलमार्किंग के लिए पंजीकरण करा चुके हैं।

पश्चिमी क्षेत्र हॉलमार्क में दूसरे स्थान पर इसके बाद पश्चिमी क्षेत्र 18 प्रतिशत और मध्य क्षेत्र 10 प्रतिशत के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। हॉलमार्क वाले प्रत्येक आभूषण पर बीआईएस का मानक लिख, 'सिल्वर', शुद्धता का स्तर और लेजर से अंकित छह अंकों वाली अक्षर-अंक पहचान संख्या (एचयूआईडी) होती है। हॉलमार्किंग से उपभोक्ताओं को कीमती धातु के आभूषण की शुद्धता के बारे में स्वतंत्र पक्ष से प्रमाण मिलता है।

चालू वित्त वर्ष में निर्यात बढ़कर 7,700 करोड़

भारत का टायर निर्यात पहली तिमाही में 16 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी>>>नई दिल्ली

देश का टायर निर्यात चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 7,700 करोड़ रुपये रहा। वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितताओं, आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने और कच्चे माल तथा लॉजिस्टिक्स की बढ़ी लागत के बावजूद टायर निर्यात बढ़ा है। वाहन टायर बनाने वाली कंपनियों का संगठन एटीएमए ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एटीएमए (ऑटोमोटिव टायर मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन) ने वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि टायर का निर्यात मूल्य वित्त वर्ष 2025-26 में 27,312 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर रहा था। इसके बाद अब अप्रैल-जून 2026 में भी टायर निर्यात का प्रदर्शन मजबूत रहा है। संघ ने कहा कि व्यापार समझौते के जरिये बाजार तक बेहतर पहुंच



रहा था। सोने की तरह चांदी भी घरेलू बाजार में 5,000 रुपये गिरकर 2,45,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई। पिछले सत्र में इसका भाव 2,50,500 रुपये प्रति किलोग्राम था। एलकेपी सिक्नोरीटीज के उपाध्यक्ष एवं शोध विश्लेषक (जिंस एवं मुद्रा) जतिन त्रिवेदी ने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों की तेजी के बाद अमेरिकी डॉलर के 99.15 के स्तर से ऊपर मजबूत होने और कारोबारियों की लगातार तीसरे सत्र में मुनाफावसूली करने से सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव रहा।

चालू वित्त वर्ष में निर्यात बढ़कर 7,700 करोड़ भारत का टायर निर्यात पहली तिमाही में 16 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी>>>नई दिल्ली

देश का टायर निर्यात चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 7,700 करोड़ रुपये रहा। वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितताओं, आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने और कच्चे माल तथा लॉजिस्टिक्स की बढ़ी लागत के बावजूद टायर निर्यात बढ़ा है। वाहन टायर बनाने वाली कंपनियों का संगठन एटीएमए ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एटीएमए (ऑटोमोटिव टायर मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन) ने वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि टायर का निर्यात मूल्य वित्त वर्ष 2025-26 में 27,312 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर रहा था। इसके बाद अब अप्रैल-जून 2026 में भी टायर निर्यात का प्रदर्शन मजबूत रहा है। संघ ने कहा कि व्यापार समझौते के जरिये बाजार तक बेहतर पहुंच



और अनुकूल निर्यात नीतियों से उद्योग इस गति को बनाए रख सकता है। वैश्विक टायर विनिर्माण और निर्यात केंद्र के रूप में भारत की स्थिति और मजबूत हो सकती है। एसोसिएशन के अनुसार, पैसंजर कार रेंडियल (पीसीआर) टायर के निर्यात में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई और पहली तिमाही में इसका निर्यात मूल्य के लिहाज से 21 प्रतिशत बढ़ा है। एटीएमए के चेयरमैन अरुण मैमन ने कहा, पहली तिमाही में टायर निर्यात की उल्लेखनीय वृद्धि नए वित्त वर्ष की मजबूत शुरुआत को दर्शाती है।

जालिम लोशन

दाद, खाज, खुजली एवं एक्जिमा के लिए उपयोगी

मेडिकल स्टोर से आज ही खरीदें



एफआईआर



मिलाई से जेएम तांडी

यह घटना ग्राम कुथरेल में देखने को मिली है। पुलिस के मुताबिक बीआरपी कालोनी मरोदा निवासी सुभद्र यादव (40) अपने घर में बिना बताये 28 जुलाई 2016 से अचानक लापता हो गई थी। देर रात तक घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने घर के आसपास खोजबीन कर नहीं मिलने पर युमशुदगी का अपराध नेवई थाने में दर्ज कराया। दो दिन बाद 30 जुलाई को ग्राम कुथरेल थाना अण्डा के गतवा तालाब के पास बोरे में बंद शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली। मौके पर तत्कालीन पुलिस अफसरों में एसपी अमरेश कुमार मिश्रा, एएसपी विवेक शुक्ला, एसडीओपी पाटन पीसी तिवारी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। जैसे ही पुलिस ने बोरा को खोलवाया आसपास में मौजूद लोगों को होश उड़ गए। बोरे में पुलिस को एक महिला की लाश मिली थी, जिसके दोनों हाथ, पैर सिर गायब था। लाश में पहचान का कोई निशान भी नहीं था। घटना के बाद पुलिस आसपास से गायब हुई महिलाओं के बारे में पतासाजी करने जुट गई। बकायदा पुलिस ने जांच के लिए एक टीम भी गठित कर दिया। पुलिस महिला के शिनाख्त के लिए बालोद, राजनां गांव समेत आसपास के थानों में महिला की जानकारी दे दी गई थी। घटना के कुछ दिन बाद पता चला कि नेवई थाना क्षेत्र से सुभद्र यादव नामक महिला की गुरुदगी रिपोर्ट है। अंडा पुलिस ने नेवई थाना में संपर्क कर परिजनों को शिनाख्त करने के लिए बुलाया था। तब परिजनों ने महिला की साड़ी व शरीर के बनावटी आधार पर सुभद्र के नाम से शव का शिनाख्त किया। पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई। परिजनों का बयान पुलिस लगातार लेती रही है। इससे पुलिस को पता चला कि नेहरू नगर स्थित अस्पताल में सुभद्र हाउस कीपिंग इंजांच के रूप में काम करती थी। जहां टाइल्स का काम करने वाला मरोदा नेवई निवासी कमल देशमुख से सुभद्र का परिचय हुआ था।

लाश को काटकर मछलियों और जानवरों को खाने के लिए फेंका

पुलिस हर संदिग्ध पर पैनी नजर लगाई हुई थी

घटना के बाद से बस्ती से कमल लापता होना बताया जा रहा था। पुलिस की शंका कमल पर बढ़ते चले गई। उसे पकड़ने पुलिस ने अपने मुखबिरों को तैयार किया। जगह-जगह दबिश दी गई, रिश्तेदारों के घर भी पुलिस पहुंची थी। उसके बारे में कुछ भी जानकारी नहीं मिल पा रही थी। मुखबिर ने पुलिस को सूचना दिया कि 29 जुलाई को गाम कुथरेल में सुभद्र के साथ एक व्यक्ति को देखा गया है। जिस पर पुलिस की पूरी टीम को कुथरेल गांव में झोंक दिया गया। पुलिस हर संदिग्ध पर पैनी नजर लगाई हुई थी। पुलिस को ये पता चला कि नेवई क्षेत्र में कमल घूम रहा है। पुलिस देर न करते हुए दबिश देकर उसे 4 अंगुष्ठों को गिरफ्तार कर इस हृदय विदारक घटना से पर्दा उठा दिया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि घटना को अंजाम देने की काफी पहले साजिश रची थी। सुभद्र को पहले मिलने के बहाने बुलाया और दोनों ने जमकर शराब पी। इस बीच दोनों के मध्य विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि कमल ने सामने रखे टाइल्स काटने वाले मशीन से शरीर के एक-एक हिस्सों को काटता चला गया। पुलिस को इसकी भनक ना लग सके, इसके लिए सुभद्र के शरीर के अंगों को अलग-अलग जगह काट कर फेंकना स्वीकार किया था। इस कोरवाइ में तत्कालीन एसडीओपी पीसी तिवारी समेत क्राइम बांच के चंद्रशेखर सोनी, अजय सिंह, समित मिश्रा, रमेश यादव, संतोष गुप्ता समेत पूरी टीम का बड़ा योगदान रहा है।



साजिश की भनक तक नहीं लगी

पुलिस ने बताया कि आरोपी कमल ने अस्पताल के ईपीएफ की रकम निकालने के बहाने सुभद्र को बुलाया था। दोनों की मुलाकात नेवई क्षेत्र में हुई उसके बाद सुभद्र व कमल घुमने निकल गए। ईपीएफ की जानकारी नहीं होने से आरोपी के झंझों में आ गई। इसी तरह शाम हो गई और कमल उसे कुथरेल जाने की जिद करने लगा। काफी जिद के बाद ही जैसे तैसे सुभद्र जाने को तैयार हो गई। कमल के साजिश के तहत सब ठीक चल रहा था। कुथरेल के एक मकान में सुभद्र को लेकर गया। जहां दोनों ने शराब पी, उसके बाद सुभद्र को नशा उछाड़ होता देख कमल उसका काम तमाम करना चालू कर दिया। घटना में आरोपी कमल ने कमरे में पूरा व्यवस्था पहले से डिजाइन कर रखा था। आरोपी ने कमरे में टाइल्स काटने की मशीन, एक बोरा, रस्सी सभी चीजों का इंतजाम कर रखा था। आरोपी ने पुलिस को बताया कि रात 12 बजे ही सुभद्र के शरीर को काटता चला गया।

क्राइम पेट्रोल देखकर बनाया था प्लान

आरोपी कमल ने जिस तरह सुभद्र की हत्या शरीर के अंग को अलग अलग काटकर किया था। इस तरह की घटना जिले में पहली बार हुई थी। पुलिस ने बताया कि उक्त वारदात को अंजाम देने के पूर्व आरोपी कमल ने क्राइम पेट्रोल के धारावाहिक को देखा था। फिर उसी की तर्ज पर आरोपी ने घटना को अंजाम देने का प्रयास किया था। पुलिस ने जिस तरह से वारदात को निपटाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाई अगर नहीं निभाती तो आरोपी पुलिस पकड़ से बाहर होता। आरोपी कमल देशमुख ने पुलिस को बताया कि सुभद्र को बेपनाह प्यार करता था। उसे किसी के साथ देखने के बाद उसके मन में प्यार खत्म हो गया था। अगर सुभद्र मैरी नहीं होती तो किसी की होने भी नहीं दुंगा तर्ज पर उसे उसी गुर्रसे में शरीर के एक एक अंग को काटता चला गया। घटना को अंजाम देते समय तो काफी डर भी रहा था, लेकिन सुभद्र के धोखा की याद में हत्या करनी पड़ी। इसके लिए उसे कोई पछतावा नहीं होने तक की जानकारी पुलिस को दिया।

पुलिस के लिए था चैलेंज

सुभद्र हत्याकांड के आरोपी को पकड़ने के लिए तत्कालीन एसपी अमरेश मिश्रा ने एक जंजीर टीम बनाकर हत्याकांड के आरोपी को पकड़कर सफलता हासिल की थी। आरोपी को पकड़ने के लिए क्राइम बांच टीम, थाना नेवई, अंडा समेत पुलिस के कई मुखबिर इसे ट्रेस करने में जुटे रहे। आखिरकार आरोपी कमल को पकड़ने में दुर्ग पुलिस सफल रही। जिस तरह से आरोपी ने घटना को अंजाम दिया था उसके बाद महिला का शिनाख्त भी हो पाना मुश्किल हो रहा था लेकिन पुलिस ने हर पहलुओं बारीकी से पतासाजी कर हत्याकांड से पर्दा उठाया।

घर में बेटे के शादी की तैयारी चल रही थी, मां ने बहू के लिए जेवरात भी तैयार कर लिए थे, लेकिन इसी बीच कुछ ऐसा हुआ कि शादी की शहनाई मातम में बदल गई। अज्ञात लूटेरों ने जेवरात चोरी कर मां को मौत के घाट उतार दिया।



जगदलपुर से राजेश दास



बेटे के विवाह की तैयारी के बीच ड्राइवर ने साथियों के साथ मिलकर कर दी मां की हत्या

महज 48 घंटे के भीतर पुलिस ने खोफनाक हत्याकांड का खुलासा करते हुए पांच साल से काम कर रहे मास्टर माईंड घर के ड्राइवर समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस लूट व हत्याकांड को डॉक्टर व प्रोफेसर दंपति के घर के ड्राइवर ने जेवरात व नगद लूटने की नीयत से अपने साथियों के साथ घर में प्रवेश किया और जेवरात चोरी कर रहे थे, तभी डाक्टर की पत्नी की नींद खुल गई और पहचान के डर से ड्राइवर ने अपने साथियों के साथ मिलकर प्रोफेसर पत्नी की हत्या कर दी। सनसनीखेज हत्याकांड की खबर लगते ही एसपी शलभ कुमार सिन्हा के निर्देश पर तत्कालीन बोधघाट थाना प्रभारी निरीक्षक लीलाधर राठौर, डॉंग स्क्वाड, एफएसएल एक्सपर्ट व अन्य टीम दलबल के साथ मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी और इस बीच आरोपियों की पतासाजी के लिए पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी एवं मोबाइल नम्बरों का विश्लेषण कर आरोपियों को 48 घंटे के भीतर चिन्हंकित किया और उन्हें घर दबोचा। सनसनीखेज हत्या की वारदात 1-2 जनवरी 2025 की दरम्यानी रात अंजाम दिया गया था, जब पूरा शहर नए साल के जश्न में डूबा हुआ था। तभी अज्ञात आरोपियों ने अर्चना घोष पति डॉ वासुदेव राय, निवासी अनुकुल देव वाई करकापाल की बेरहमी से हत्या कर दी थी। जघन्य हत्याकांड की 3 जनवरी को प्रार्थी डॉ वासुदेव राय द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराते हुए अपनी पत्नी डॉ अर्चना घोष की लाश घर के बेडरूम में मिलने की बोधघाट थाने में सूचना दी थी।

लूट के दौरान प्रोफेसर पत्नी जागी, पहचान ना सके इसलिए उतार दिया मौत के घाट



दंपति के आर्थिक रूप से सम्पन्न होने की ड्राइवर को थी जानकारी

मामले की गंभीरता को देखते हुए बस्तर पुलिस द्वारा घटना स्थल का तत्काल एफएसएल की टीम द्वारा विस्तृत निरीक्षण करारकर 100 से अधिक सीसीटीवी खंगालते हुए तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण करना प्रारंभ किया। विवेचना के दौरान परिस्थितिजन्य एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मुक्तका के ड्राइवर व पूरी घटना के मास्टरमाईंड रोहित कश्यप, निवासी कुन्वडी बड़े पारा थाना नगरनगर से पृष्ठताछ की गई। रोहित को मुक्तका की आर्थिक सम्पन्नता एवं गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी थी। जिसके बाद उसने अपने तीन अन्य साथी जोसेफ कश्यप निवासी खड़गघाट थाना कोतवाली, नीलू बघेल निवासी डोगाघाट थाना कोतवाली व पप्पू बघेल निवासी डोगाघाट थाना कोतवाली के साथ लूट की नीयत से साजिश कर अपराध कारित करना स्वीकार किया।

लूट की घटना को ऐसे दिया अंजाम

चारों आरोपियों ने पृष्ठताछ करने पर स्वीकार किया कि मुख्य आरोपी रोहित कश्यप घटना से पूर्व मुक्तका के घर बीते 5 वर्षों से वालक का काम कर रहा था, जिसकी वजह से आरोपी को मुक्तका की आर्थिक सम्पन्नता एवं गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी थी। आरोपी द्वारा घर में प्रवेश कर लूट करने की योजना तैयार की गई। एक जनवरी की रात तीन आरोपी साथियों द्वारा आरोपी ड्राइवर के बताए अनुरूप घर में प्रवेश किया गया। इस दौरान घर में मौजूद मुक्तका का मोबाइल, कुछ धन राशि एवं जेवरात की लूट करते समय मुक्तका की आंख खुल गई और उसने इसका विरोध किया। जिसके बाद पहचानने के डर से उसकी हत्या कर दी गई। घटना के 48 घंटे के भीतर पुलिस चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया और सभी को न्यायिक रिमाण्ड में जेल भेज दिया गया। बोधघाट पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सोने की कनौटी, चांदी की पायल, बिछिया, चांदी का पिन, लॉकेट, सिंदूर दानी, मुक्तका का मोबाइल, सीसीटीवी कैमरा, आरोपियों द्वारा घटना में प्रयुक्त दो बाईक व नगद लगभग 36 हजार रुपए बरामद किया।

एक माता-पिता के लिए संतान संसार की सबसे बड़ी पूजी होती है। लंबे समय से संतान के लिए तरस रहे किसी दंपति को काफी जतन के बाद संतान सुख की प्राप्ति होती है, लेकिन शराब की लत के कारण एक कलसुपी पिता ने रिश्तों को कलंकित करते हुए अपने तीन वर्ष के मासूम बेटे के सिर में टंगिया मारकर उसकी हत्या कर दी। इस बेरहम पिता को 15 महीने के भीतर उच्चैः की कठोर सजा दी गई। यह झकझोर कर देने वाली घटना नगरी ब्लॉक के ग्राम आमदी थाना दुगली क्षेत्र में वर्ष 2025 के 18 मई की है।

पिता-पुत्र के रिश्तों को किया कलंकित

शराब ने बना दिया पिता को अपने मासूम बच्चे का कातिल



धमतरी से संतोष सोनकर

गांव व के 33 वर्षीय संजय मरकाम शराब पीने का आदी था। संजय अक्सर शराब के नशे में धुत रहता था, जिसके कारण वह हमेशा अपने घर में लड़ाई-झगड़ा करता था। उसका एक तीन वर्ष का बेटा शौर्य मरकाम था। 18 मई 2025 को संजय दिनभर शराब पीकर इधर-उधर घूमता रहा। नशा उतरने पर संजय रात्रि में घर पहुंचा। घरवालों से संजय पीने के लिए पैसा मांगने लगा। नशे में झूम रहे संजय की हालत को देखते हुए घरवालों ने पैसे देने से मना कर दिया। रुपए नहीं मिलने से युवक ने घर में लड़ाई-झगड़ा करना शुरू कर दिया। घरवाले युवक को लड़ाई-झगड़ा नहीं करने की

समझाइश दे रहे थे, लेकिन आंखों पर नशे की पट्टी बांधे संजय को घर-परिवार कुछ भी नहीं दिख रहा था। उसे बस शराब ही नजर आ रहा था। शराब के लिये पैसा नहीं मिलता देख युवक आक्रोशित हो मारकाट पर उतर आया और घर में रखे धारदार टंगिया को उठा लाया। इस दौरान अपने शराबी पिता द्वारा घरवालों से झगड़ता देख मासूम शौर्य वहीं पर डरा-सहमा खड़ा था। शराब की लत में अंधे हो चुके संजय ने घरवालों से पैसा नहीं मिलने का गुस्सा पास में खड़े अपने तीन वर्ष के मासूम बेटे शौर्य मरकाम पर उतार दिया। संजय ने हाथ में रखे टंगिया से मासूम बच्चे के सिर पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। टंगिया से हुए हमले से मासूम खून से

लथपथ जमीन पर गिर गया। परिजनों ने रात्रि में ही आनन-फानन में बच्चे को उपचार के लिए नरहरपुर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही मासूम ने दम तोड़ दिया था। डाक्टर ने चेकअप के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया। 18 मई की रात्रि हुई इस खूनी घटना की जानकारी दूसरे दिन 19 मई की सुबह गांव में आग की तरह फैल गई। पिता द्वारा मासूम बेटे की हत्या की खबर सुन पूरा गांव सकते में आ गया। सूचना मिलते ही दुगली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आरोपी संजय मरकाम को धारा 10-1 बीएनएस के तहत हत्या के मामले में गिरफ्तार कर लिया।

उच्चैः की सजा काट रहा आरोपी

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण व गवाहों का बयान दर्ज कर आरोपी संजय मरकाम की निशानदेही पर खूनी हथियार टंगिया को जब्त किया। पुलिस ने 21 जुलाई 2025 को अभियोग पत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। न्यायालय में लगभग 14 महीने चले इस प्रकरण में दोष सिद्ध होने पर आरोपी पिता संजय मरकाम को अगस्त 2026 में आजीवन कारावास की कठोर सजा दी गई। वर्तमान में आरोपी धमतरी जिला जेल में सजा काट रहा है।



तबाही के जख्म से गुमसुम नेपाल

एजेसी ►► काठमांडू

नेपाल के पीएम बलेंद्र शाह ने शुक्रवार को सिंह दरबार स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई। यह बैठक 26 अगस्त को रसुवा के भोटेकोशी क्षेत्र में आई विनाशकारी बाढ़ से हुए नुकसान पर महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए थी। इसमें बचाव, राहत और पुनर्निर्माण प्रयासों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) नेपाल ने यह जानकारी दी। नेपाल इस प्राकृतिक विपदा में 26 अगस्त को तीव्र-नेपाल सीमा पर अचानक आई बाढ़ के कारण के कारण फंसा। इसने भोटे कोशी और त्रिशूली नदी प्रणालियों में पानी, गाद और पत्थरों का शक्तिशाली बहाव भेजा, जिससे व्यापक तबाही हुई।



सेना के दो और निजी क्षेत्र के हेलिकॉप्टर से बचाव में जुटे

आपदा के बाद बालेन शाह ने बुलाई कैबिनेट की आपात बैठक, राहत कार्यों में ‘बचाव’ के निर्देश



कैबिनेट की बैठक लेते पीएम बालेन शाह

रसुवा हाइड्रोपावर सुरंग में चल रहा रेस्क्यू ऑपरेशन

नेपाल के रसुवा जिले में आई इस बाढ़ के कारण एक बड़ी जलविद्युत परियोजना की सुरंग में कई श्रमिक फंसे गए हैं। पीएमओ ने बताया कि नेपाली सेना के बाद रसुवा में एक जलविद्युत परियोजना की सुरंग के अंदर फंसे लोगों को निकालने के लिए बचाव अभियान तेज कर दिया है। सेना ने अब तक सुरंग से दो लोगों को सुरक्षित बचाया है। नेपाली सेना ने शुक्रवार सुबह से ही इन फंसे हुए लोगों को निकालने के लिए एक बेहद जटिल बचाव अभियान शुरू किया है। इस खतरनाक काम के लिए सेना की एक विशेष टीम को तकनीकी उपकरणों और विशिष्ट प्रशिक्षण के साथ सुरंग में उतारा गया है। बेहद कठिन रास्तों और खतरनाक परिस्थितियों के बावजूद, सेना की टीम ने अब तक दो श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है।

80 पुल और 42 किमी सड़क आपदा में ध्वस्त

नेपाल के भोटे कोशी और त्रिशूली नदी क्षेत्रों में ऊंची चोटियों से उतरी आपदा अपने पीछे मखावह तबाही और बर्बादी का मंजर छोड़ गई है। त्रिशूली बाजार और उसके आसपास लगभग 60 घर बह गए हैं। जबकि त्रिशूली नदी पर बने दो मोटर योय पुल भी बह गए। पास के देवीघाट क्षेत्र में भी भारी नुकसान हुआ है। नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, बाढ़ से परिवहन ढांचे को भारी नुकसान हुआ है। इसके तहत 35 मोटर योय पुल, 45 सरपेंशन ब्रिज और लगभग 40 किलोमीटर सड़क क्षतिग्रस्त हुई हैं। कई स्थानों पर वाहन बह गए या मलबे के नीचे दब गए।



अस्थायी राहत शिविर में आपदा पीड़ित



नवजात शिशुओं को बचाया



लापता लोगों को तलाशते परिजन

खबर संक्षेप

आरोप: इमरान को मारने के प्रयास जारी

लंदन। पाकिस्तान के पूर्व पीएम और दिग्गज क्रिकेटर इमरान खान के बेटों सुलेमान और कासिम के अपने पिता की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है। इन्होंने कहा कि इमरान को जेल में मारने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। पाक सरकार उन्हें वहां जितनी लंबी अवधि तक हो सके रखना चाहते हैं और वे यही चाहते हैं कि बस उनकी आवाज हमेशा के लिए चुप करा दी जाए। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच दूसरे टेस्ट मैच के दौरान इमरान के दोनों बेटों ने यह बात कही।

मलाला की किताब पढ़ने के दौरान हमला, 3 अरेस्ट

अहमदाबाद। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई की आत्मकथा ‘आई एम मलाला’ के पठन सत्र के दौरान हमले की खबर है। यह हमला गुजरात के अहमदाबाद शहर में गुरुवार शाम को वख्रपुर गाईन में हुआ था। वख्रपुर पुलिस थाने की इस्पेक्टर जी एम चौधरी ने बताया कि करीब 20 लोग, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं, सार्वजनिक उद्यान में पढ़ने के लिए जमा हुए थे। 18 से 20 लोगों के एक सशस्त्र समूह ने उन्हें रोका।

भारत रक्षा पर्व- ‘रक्षक’ को राखी



जवानों संग छात्राओं ने मनाया रक्षाबंधन

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के जम्मू में आरएस पुरा सेक्टर में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पटौनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के वीर जवान भी देश की रक्षा के खातिर अपने कर्तव्य को निभाते हुए इस दिन अपने घर नहीं जा सके। ऐसे बीएसएफ के जवानों के लिए स्थानीय स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं ने रक्षाबंधन का आयोजन किया। यह छात्राएं सुबह से ही हाथों में मिठाई, रस्सी और दीपक लिए बीएसएफ के फारवर्ड पोस्ट पर पहुंचीं और वहां तैनात जवानों की राखी बांधीं।

दो साल से पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई के नेटवर्क से जुड़े थे

एजेसी ►► नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े जासूसी नेटवर्क का खुलासा किया है। पुलिस ने जासूसी के आरोप में दिल्ली के कपल साहिल (25) और उसकी पत्नी समीरा (21) को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, दोनों 2024 से पाकिस्तान में बैठे खुफिया अधिकारियों के संपर्क में थे। वे भारत से जुड़ी संवेदनशील जानकारी जुटाने, 8 भारतीय सिम कार्ड पाकिस्तान भेजने और दूसरे लोगों को जासूसी के लिए तैयार करने में मदद कर रहे थे। दिल्ली पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार करने के बाद शुक्रवार को यह जानकारी दी।

दिल्ली की दंपती पर पाकिस्तान के लिए जासूसी का आरोप

दुबई के रास्ते 8 भारतीय सिम भेजीं पाक हैंडलर से 2 साल से संपर्क में थे



दिल्ली पुलिस की गिरफ्त में आरोपी दंपती

सैन्य इलाकों की जानकारी जुटाने का आरोप

पुलिस का आरोप है कि साहिल को भारत के अलग-अलग हिस्सों में कैटोनमेंट इलाकों की रेकी करने का काम दिया गया था। उसे जासूसी और फील्ड ऑपरेशन के लिए लोगों को भर्ती करने की जिम्मेदारी भी दी गई थी। जांच में सामने आया कि साहिल ने ट्रिब्यूनल के सामने कोर्ट मार्शल की कार्रवाई का सामना कर रहे सेना के जवानों से जुड़ी जानकारी भी कथित तौर पर उपलब्ध कराई थी।

पाक हैंडलर भेजते थे पैसे: पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जांच में इस नेटवर्क के तार दिल्ली से कराची और इस्लामाबाद तक जुड़े मिले हैं। पुलिस के मुताबिक, पाकिस्तान में बैठे हैंडलर दंपती को पैसे भी भेजते थे। साहिल और समीरा ने 2024 से 2025 के बीच 8 भारतीय सिम कार्ड हासिल किए। इन सिम कार्ड को दुबई के रास्ते पाकिस्तान भेजा गया। हैंडलर ने इसके लिए दंपती को 30 हजार रुपए दिए थे।

मौसम विभाग का अलर्ट

21 राज्यों में होगी भारी बारिश 85 की स्पीड से चलेगी हवा

►► किसानों, मछुआरों और आम लोगों को बेहद सावधान रहने की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ►► नई दिल्ली



इन 21 राज्यों में भारी बारिश-आंधी की चेतावनी

मौसम विभाग की मविष्यवाणी के मुताबिक आज 29 अगस्त को देश के 21 राज्यों यूपी, बिहार, दिल्ली, राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, ओडिशा, मध्य प्रदेश, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना में भारी बारिश-आंधी की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान 80 से 85 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड से तेज हवा चलने की चेतावनी है। राजस्थान में बारिश-आंधी की चेतावनी राजस्थान के जयपुर, झुझुनू, टोंक, अजमेर, अलवर, जैसलमेर, बाड़मेर, भरतपुर, सीकर, कोटा, भीलवाड़ा, पाली और जोधपुर में भारी बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 55 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा के झोंके चलने की संभावना है। वहीं, जयपुर में अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस तो न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचेगा। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग, देहरादून, नैनीताल, चमोली, टिहरी गढ़वाल, पिथौरागढ़, अल्मोड़ा, हरिद्वार, ऋषिकेश और बागेश्वर में भारी बारिश और आंधी की चेतावनी है।

छत्तीसगढ़ के 11 जिलों में बारिश-आंधी की चेतावनी

छत्तीसगढ़ के धमतरी, कोरबा, गरियाबंद, सूरजपुर, रायपुर, बिलासपुर, बemetरा, जांजगीर, महासमुंद, दुर्ग और रायगढ़ में भारी बारिश और आंधी की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान 65 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा के झोंके चल सकते हैं।

नग्न के राजगढ़ में हुआ हादसा

पुल से गिरी बस, बेंगलुरु साइबर टीम के टीआई समेत 5 की मौत



हरिभूमि न्यूज ►► गोपाल

मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। ब्यावरा शहर के भोपाल बाईपास पर एक यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में बस में सवार 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 यात्री घायल हो गए। इनमें से चार की हालत गंभीर बनी हुई है। एडिशनल एसपी केएल बंजारे ने बताया कि बेंगलुरु से साइबर की टीम आरोपी की तलाश में बस में सवार होकर इंदौर जा रही थी। इस हादसे में इस्पेक्टर रवि केवि पिता बरस्पका की मौत हो गई, जबकि सब इस्पेक्टर रमेश नायक एएसआई श्रीनिवास और टेक्निकल स्टाफ विश्वाच घायल हो गए। जिनमें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां एएसआई श्री निवास को गंभीर हालत में रेफर किया गया।

कानपुर से इंदौर जा रही थी बस

दुर्घटना सुबह करीब 7 बजे ब्यावरा में गोपाल बाईपास पुल पर हुई। उन्होंने कहा कि बस उत्तर प्रदेश के कानपुर से इंदौर जा रही थी और पुल पर मोड़ लेते समय उसका नियंत्रण खो गया और वह सुरक्षा दौड़ पर से टकरा गई और लगभग 30 फुट लीर गिर गई। 30 फीट ऊपर पुल से नीचे गिरे यात्री ब्यावरा शहर के गोपाल बाईपास पर 30 फीट ऊंचे पुल से यात्री बस अनियंत्रित होकर टकरा गई। हादसे के दौरान बस में सवार करीब चार यात्री 30 फीट ऊंचे पुल से नीचे सर्विस रोड पर आ गिरे। इस हादसे में बस में सवार इस्पेक्टर रवि केवी, पिता बरस्पका उम्र 45 साल बेंगलुरु, विकास शुक्ला (बस चालक), बेलाल अली, पिता कलीगल्लाह किया, ज्योतिरादित्त सिंह गोद पिता विक्रम सिंह गोद निवासी बिजवाड़ की मौत हो गई।

रोमांचक फाइनल में जीत के साथ अपने नाम किए 1.91 करोड़ रुपए ‘प्रज्ञाना’ ने 6 अंक पिछड़ने के बाद रचा इतिहास, कारुआना को दी मात



वैडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा वैड शतरंज टूर (जीसीटी) का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने यहां वैड फाइनल में अमेरिका के फैबियानो कारुआना को हराया। प्रज्ञानानंदा ने कारुआना से 6 अंक से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की।

एजेसी ►► सेंट लुई

भारतीय खिलाड़ी ने आखिर में कारुआना को 15-13 से हराकर अपना पहला जीसीटी खिताब जीता और पुरस्कार राशि के रूप में 200,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग एक करोड़, 91 लाख रुपए) अपने नाम किए। इस तरह से प्रज्ञानानंदा, कारुआना और एक अन्य अमेरिकी वेस्ली सो ने अगले साल होने वाले ग्रैंड शतरंज टूर में जगह पक्की कर दी। वेस्ली ने जर्मनी के विन्सेंट कीमर को 18-12 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

रैपिड राउंड जीतना महत्वपूर्ण : प्रज्ञानानंदा

प्रज्ञानानंदा ने जीत के बाद कहा, 'सच कहूँ तो, मुझे नहीं लगता था कि आज मेरे पास जीतने के ज्यादा मौके हैं। ऐसा हर दिन नहीं होता। आप फैब्री (कारुआना) से एक गेम जीत सकते हैं लेकिन रैपिड राउंड में दो गेम जीतना महत्वपूर्ण था।

प्रज्ञानानंदा ने की शानदार वापसी

पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद से प्रशिक्षण लेने वाला चेन्नई का यह 21 वर्ष का खिलाड़ी दिन की शुरुआत में छह अंक से पीछे था लेकिन उन्होंने इसके बाद शानदार वापसी की तथा दोनो रैपिड गेम (प्रति गेम विजेता की चार अंक) जीतकर दो अंकों की बढ़त बना ली। इसके बाद खेले गए चार ब्लिट्ज मैचों में मुकाबला बराबरी का रहा, जिसमें प्रज्ञानानंदा और कारुआना ने एक-एक मैच जीता जबकि शेष दो मैच ड्रॉ रहे। इस तरह से रैपिड राउंड के आखिर में मिली दो अंकों की बढ़त भारतीय वैडमास्टर के लिए निर्णायक साबित हुई।



ड्रॉ करके खिताब अपने नाम किया

ब्लिट्ज सेक्शन का पहला गेम ड्रॉ रहा, जिसके बाद कारुआना ने दूसरा गेम जीतकर स्कोर 12-12 से बराबर कर दिया। प्रज्ञानानंदा ने हालांकि तीसरा गेम जीत कर फिर से दो अंक की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने अगला गेम ड्रॉ करके खिताब अपने नाम कर दिया। प्रज्ञानानंदा इस साल की शुरुआत में नॉर्वे शतरंज खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। इस दौरान उन्होंने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और टूर्नामेंट के प्रबल दावेदार मैग्नस कार्लसन को दो बार हराया था।

अविश्वसनीय सीजन का समापन

वैड शतरंज टूर ने एक्स पर पोस्ट किया, 'प्रज्ञानानंदा को पहली बार वैड शतरंज टूर का खिताब जीतने पर हार्दिक बधाई। एक रोमांचक फाइनल मैच में फैबियानो कारुआना को हराकर प्रज्ञानानंदा ने एक अविश्वसनीय सीजन का समापन किया और अपने करियर में पहली बार जीसीटी का खिताब अपने नाम किया।' उसने कहा, 'क्या शानदार वापसी थी। क्या जबरदस्त मुकाबला था। चैंपियन बनने का इससे शानदार तरीका और नहीं हो सकता।'

यूएस ओपन : विमेंस सिंगल्स मेन ड्रॉ के टॉप हाफ में सबालेंका, पेगुला और नोस्कोवा



पेगुला, गॉफ और अनिसिमोवा के पास आगे बढ़ने का मौका

टॉप अमेरिकी खिलाड़ी पेगुला, गॉफ और अनिसिमोवा सभी के पास यूएस ओपन 2026 में आगे बढ़ने का मौका है। अब ऐसा होना भी चाहिए, क्योंकि पिछले साल यूएस ओपन में अनिसिमोवा के बाद से कोई भी अमेरिकी महिला खिलाड़ी वैड स्लैम फाइनल में नहीं पहुंच पाई है। अपना पहला वैड स्लैम खिताब जीतने की कोशिश कर रही पेगुला क्वाटर फाइनल में मुचोवा का नंबर 9 एलिना स्विटोलिना से भिड़ सकती है। ड्रॉ के निचले हिस्से में होने के कारण, अनिसिमोवा और हाल ही में सिनसिनाटी चैंपियन बर्नी गॉफ क्वाटर फाइनल में आमने-सामने हो सकती है। अगर सब कुछ सही रहा, तो नंबर 3 पेगुला और नंबर 4 गॉफ फाइनल में भी मिल सकती है।



एजेसी ►► न्यूयॉर्क

मौजूदा चैंपियन आर्यना सबालेंका के साथ टॉप-सीडेड अमेरिकी जेसिका पेगुला और 2026 विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा को यूएस ओपन 2026 के 'विमेंस सिंगल्स' ड्रॉ के टॉप हाफ में रखा गया है।

वहीं, यूएस ओपन चैंपियन कोको गॉफ (2023) और इगा स्वितातेक (2022) बॉटम हाफ में हैं, उनके साथ 2026 ग्रैंड स्लैम चैंपियन मीरा एंड्रोवा और एलेना रायबाकिना भी शामिल हैं। सबालेंका अपने अभियान की शुरुआत कोलंबिया की वर्ल्ड नंबर 58 कैमिली ओसोरियो के खिलाफ करेंगी, जबकि दूसरी सीड वाली रायबाकिना पहले राउंड में अमेरिका की 580वां रैंक वाली थिया फ्रोडिन से भिड़ेंगी।

डायमंड लीग : फाइनल में खेलेंगे नीरज

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने प्रतिष्ठित एक दिवसीय प्रतियोगिता की सीरीज के केवल दो टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के बावजूद 5 सितंबर को ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

चोपड़ा ने 19 जून को दोहा और 21 अगस्त को लुसाने में हुई डायमंड लीग में क्रमशः दूसरा स्थान हासिल करके 12 अंक जुटाए। इसके साथ वह अंक तालिका में छठे स्थान पर रहे और ब्रसेल्स में होने वाले फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे, जिसमें विजेता सीधा चैंपियन बनता है।



- डब्ल्यूए अल्टीमेट चैंपियनशिप में जगह बनाने की दौड़ में
- 05 सितंबर को ब्रसेल्स में होगा टूर्नामेंट

ज्यूरिख में अंक तालिका की गई अपडेट

ज्यूरिख में सीरीज के 14वें और आखिरी चरण के समापन होने के बाद अंक तालिका अपडेट की गई। इस साल हुई 14 डायमंड लीग प्रतियोगिता में से पांच में चोपड़ा की भाला फेंक स्पर्धा शामिल थी, लेकिन नीरज चोपड़ा ने इनमें से केवल दो प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। अठाइस वर्षीय

राशिफल

	रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।
	परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।
	तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सहेतक का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर
	आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।
	कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।
	परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।
	धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेगा। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।
	भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उधार में प्राप्त हो सकते हैं।
	कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।
	व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।
	तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।
	दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में

चोपड़ा चोट से उबरने के बाद वापसी की राह पर हैं, उन्हें पिछले साल सितंबर से कमर के निचले हिस्से में लगी चोट परेशान कर रही थी। इस चोट के कारण उनकी वापसी में देरी हुई और उन्होंने दोहा डायमंड लीग में वापसी की।

ब्रसेल्स में दो दिन तक होगा फाइनल

डायमंड लीग फाइनल ब्रसेल्स में दो दिन तक आयोजित होगा, जिसमें 4 सितंबर को 16 स्पर्धाएं होंगी जबकि बाकी 16 स्पर्धाएं अगले दिन आयोजित की जाएंगी। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा पांच सितंबर को होगी। विजेता को ट्रॉफी के साथ कम से कम 30,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। वहीं आठवें स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को 1,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। अगर पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा को डायमंड 'प्लस' स्पर्धाओं में चुना जाता है तो विजेता को 60,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। श्रीलंका के उमरते हुए स्टार रुमेश धिरानो 39 अंक के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर हैं। ऐसे में उन्हें ब्रसेल्स में डायमंड लीग की ट्रॉफी जीतने का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

योहान ने गुआर्डा एफसी के साथ किया करार

एजेसी ►► मुंबई

पुर्तगाल के फुटबॉल क्लब गुआर्डा एफसी ने मुंबई में जन्में भारतीय युवा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी योहान बेंजामिन के साथ दो साल का करार किया है। हालांकि यह अनुबंध अंतरराष्ट्रीय मंजूरी और वीजा प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही प्रभावी होगा।

योहान के यूरोपीय फुटबॉल करियर में यह करार एक महत्वपूर्ण कदम है। साथ ही, यह गुआर्डा एफसी के उस लक्ष्य के अनुरूप है, जिसमें वह भारत, एशिया और अन्य उभरते फुटबॉल बाजारों की युवा प्रतिभाओं को यूरोपीय फुटबॉल में आगे बढ़ने का मौका देना चाहता है।



यूरोप में मेरे सफर का अहम कदम

योहान बेंजामिन ने कहा, 'गुआर्डा एफसी के साथ जुड़ना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। यूरोप में मेरे सफर में यह एक और अहम कदम है। मुझे इस स्तर पर आगे बढ़ने, मुकाबला करने और खुद को साबित करने का मौका मिलेगा। मुझ पर भरोसा करने और मौका देने के लिए मैं लालच का आभारी हूँ।' मिडफील्डर योहान ने अपने फुटबॉल करियर की शुरुआत फुटबॉल स्कूलों और अकादमियों से की, जिसमें कॉन्शिप्ट फुटबॉल सुंई, वेगलेर फुटबॉल अकादमी और मिनर्वा फुटबॉल अकादमी शामिल है।

सितंबर में 4 टी20 और 2 वनडे खेलेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली। श्रीलंका में दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1-0 से जीतने के बाद भारतीय टीम सितंबर 2026 में केवल लिमिटेड ओवरस क्रिकेट में खेलती दिखेगी। सितंबर में उसे 4 टी20 मैच और 2 वनडे खेलने हैं। 17 दिनों के ब्रेक के बाद भारतीय टीम 13 सितंबर को मैदान पर उतरेगी। अफगानिस्तान के खिलाफ उसे 3 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर
NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY RAIPUR
(An Institute of National Importance) Under Ministry of Education, Govt. of India

क्र. एनआईटीआरअर / रजिस्ट्रार / 2026 / 790

दिनांक 28/08/2026

एनआईटी रायपुर में एम.टेक. / एम.एससी. प्रवेश हेतु सेकेंड स्पॉट राउंड काउंसलिंग की सूचना

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर, शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न एम.टेक./एम.एससी. कार्यक्रमों में उपलब्ध रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु पात्र एवं इच्छुक अभ्यर्थियों को स्पॉट राउंड काउंसलिंग में भाग लेने के लिए आमंत्रित करता है। पंजीकृत अभ्यर्थी दिनांक 31.08.2026 को आयोजित स्पॉट राउंड काउंसलिंग में भाग ले सकते हैं।

पात्रता, रिक्त सीटों की उपलब्धता, प्रवेश प्रक्रिया, शुल्क एवं अन्य निर्देशों की विस्तृत जानकारी के लिए एनआईटी रायपुर की वेबसाइट देखें।

कुलसचिव

शब्द पहेली - 6331

	1		2		3		4		5	6
7					8				9	
		10					11	12		
13					14			15	16	
				17			18			
19	20		21			22		23		24
					25					
26		27		28				29		
		30	31		32		33			
34	35		36						37	
38					39					

Page 1 of 1

- बाएँ से दाए-
- 1.यालु,उदार-5
 - 4.गगन,आकाश-4
 - 7.सरिता-2
 - 8.चोगा,गोजन-3
 - 9.छुट्टी,अवकाश-2
 - 10.आबे,हयात,काबा कूप-4
 - 11.रिहा-2
 - 13.खाना,भोजन करना-3
 - 14.जिद-2
 - 15.हिम्मत,बल-3
 - 17.कारागार-2
 - 19.रहस्ये,आजम,सुरी-5
 - 22.दुल्हाना,डांटना-5
 - 25.सराबोर-2
 - 26.भोर,सवेरा-3
 - 28.मूल्य,कीमत-2
 - 29.महीन,बहुत छोटा-3
 - 30.फूँक,दम,सुँझ-2
 - 32.झंकार,प्रतिध्वनि-4
 - 34.उष्णता,ज्वर-2
 - 36.ओट,चिलमन-3

- 37.छोटा टुकड़ा-2
- 38.सराबोर,सना हुआ-4
- 39.निर्माता,रचना करने वाला-5
- ऊपर से नीचे
- 1.कैदी,बंधक-2
- 2.मुलायम-3
- 3.यात्री पोत,तैरता होटल-5
- 4.उर्दू में अभिवादन-3
- 5.पिटार्ड,चोट-2
- 6.नाजुकता-4
- 7.नया जीवन-5
- 10.मर्यादा-4
- 12.खाली,रिक्त-2
- 16.लाईन,पंक्ति-3
- 17.गर्मी का महीना-2
- 18.उदर-2
- 20.दीनहीन,दरिद्र-3
- 21.लश्कर,फौज-2
- 22.नष्ट,अद्वैतभाव-2
- 23.व्यवसाय,धंधा-4
- 24.नाम रखना-2,3
- 25.होशियार-5

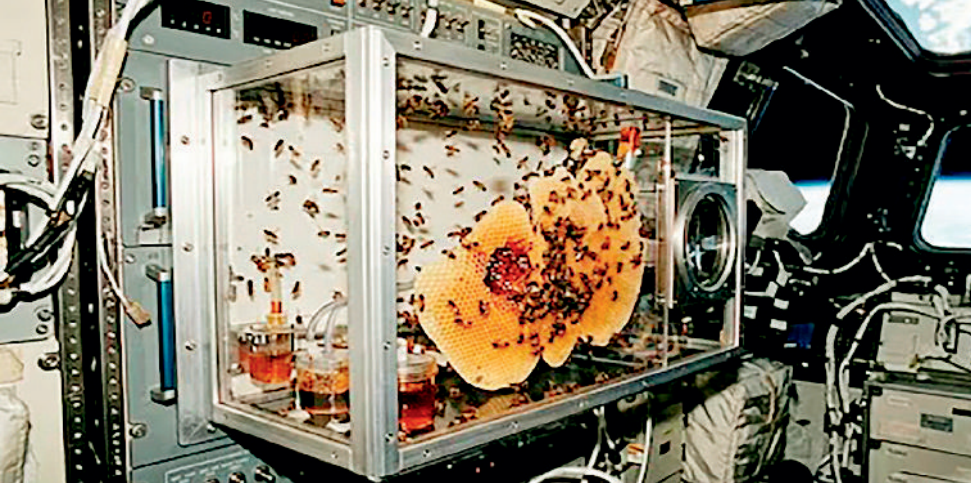
शब्द पहेली - 6330 का हल

ख	दि	म				र	ह	न		
दा	द	हा	ति	म	रा	ई		क	य	
	न		न	ल		र	सं		ना	
ख	च	न		म्ह	र	ण		य	रा	
	क	ल	म		ष		नी	र	ज	
ना		री	स	ज	वा			कु		
चू	स	ना		ज	म		हि	बा		
ज	र	खा	य	सि	मा		ना	र	व	
र			त	य		य	म		ली	
म	नन		स	ला	ह	का	र		क	ल
र	सी	ला					जी	ते	प्र	

अंतरिक्ष में
इंसानों के
कदम तो अब
तक कई बार पड़
चुके हैं, लेकिन जब
वैज्ञानिकों ने जमीन
पर भनभनाने वाली
नन्हीं मधुमक्खियों को
स्पेस में भेजा, तो जो
नतीजा सामने आया उसने
हर किसी को हैरान कर
दिया। जरा सोचिए, जहां
बिना गुरुत्वाकर्षण के इंसान
के लिए एक-एक कदम
संभालना मुश्किल हो जाता है,
वहां करीब 3,301 मधुमक्खियां
जीरो ग्रेविटी में तैर रही हों! साल
1984 में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी
नासा ने कुछ ऐसा ही
प्रयोग किया था।

बिलासपुर, शनिवार 29 अगस्त 2026
haribhoomi.com

वाशिंगटन। नासा के वैज्ञानिक यह
देखना चाहते थे कि क्या
मधुमक्खियां बिना ग्रेविटी के उड़
सकती हैं और क्या वे अपना छत्ता
बना सकती हैं? 7 दिनों के इस
मिशन की शुरुआत में
मधुमक्खियों को शुरुआती दिनों
में काफी समस्या हुई और उड़ते
समय वे बॉक्स की दीवारों से
टकराने लगीं। लेकिन, कुछ
ही दिनों में उन्होंने खुद को
अंतरिक्ष के माहौल में ढाल
लिया। मिशन के आखिरी
दिनों तक मधुमक्खियां
सामान्य तरीके से
उड़ने लगी थीं और
उन्होंने स्पेस में
करीब 200
सेंटीमीटर
का
छत्ता भी बना
लिया था।

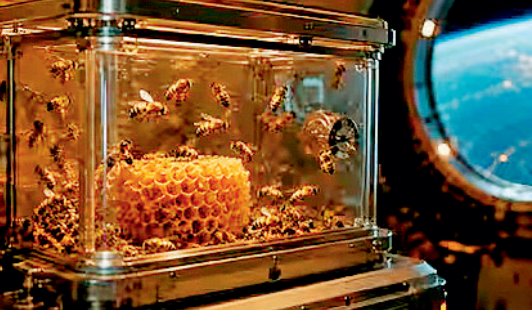


नासा क्यों
करना
चाहता था
यह प्रयोग?

नासा का यह प्रयोग एसटीएस-41सी मिशन का हिस्सा था और इसके दो उद्देश्य थे। वैज्ञानिक यह देखना चाह रहे थे कि माइक्रोग्रेविटी में मधुमक्खियां कैसा व्यवहार करती हैं और क्या वे वहां जीवित रह भी पाती हैं या नहीं। इसके साथ ही, वैज्ञानिक स्पेस में बने छत्ते की तुलना पृथ्वी पर बनने वाले छत्तों से करना चाहते थे। इन मधुमक्खियों को एक विशेष रूप से डिजाइन किए गए बॉक्स में रानी मधुमक्खी, लकड़ी के फ्रेम और भोजन के साथ रखा गया था। नासा ने उनके भोजन के लिए चीनी, पानी और अगर का एक मिश्रण तैयार किया था, क्योंकि अंतरिक्ष में सामान्य तरल पदार्थ बूंद बनकर तैरने लगते हैं।

शुरुआत में दीवारों से टकराई मधुमक्खियां

अंतरिक्ष यान की लॉन्चिंग के दौरान मधुमक्खियां सुरक्षित रहीं, लेकिन जीरो ग्रेविटी में उड़ना उनके लिए पूरी तरह से नया एक्सपीरियंस था। शुरुआती जांच में सामने आया कि जब मधुमक्खियों ने उड़ने का प्रयास की, तो वे अपने बॉक्स की ही दीवारों से टकराने लगीं। लेकिन, जैसे-जैसे दिन बीते, उनके व्यवहार में बदलाव आने लगा। सातवें दिन तक अंतरिक्ष यात्रियों ने बताया कि मधुमक्खियों ने जीरो ग्रेविटी के माहौल को पूरी तरह अपना लिया था और वे आत्मविश्वास के साथ उड़ने लगी थीं। कू मॅरर्स ने लिखा कि सातवें दिन तक छत्ता अच्छी तरह बन चुका था और मधुमक्खियां जीरो ग्रेविटी में ढल चुकी थीं।



स्पेस में बना दिया 200 सेंटीमीटर का छत्ता

मधुमक्खियों ने स्पेस में न सिर्फ खुद को संभाला, बल्कि अपना काम भी शुरू कर दिया। स्पेस में बंद मधुमक्खियों ने पूरे मिशन के दौरान लगभग 200 सेंटीमीटर लंबा छत्ता तैयार किया। रिसर्चर्स ने पाया कि स्पेस में बने छत्ते और पृथ्वी के छत्ते में कुछ अंतर थे। अंतरिक्ष में बने छत्ते के खानों का व्यास पृथ्वी के मुकाबले छोटा था और उनकी दीवारें ज्यादा मोटी थीं। वहीं, मधुमक्खियां सामान्य गहराई वाले खाने बनाने में सफल रहीं और उन्होंने कुछ खानों में अपनी शुगर सिरप भी जमा की। मिशन के अंत में ज्यादातर मधुमक्खियां जीवित मिलीं। इस दौरान रानी मधुमक्खी ने लगभग 35 अंडे भी दिए थे, लेकिन पृथ्वी पर लौटने के बाद उनमें से बच्चे नहीं निकल सके। इसके पीछे का कारण सामने नहीं आ सका।

रोचक खबरें

जीरो फिगर का खतरनाक नशा, 15 दिन की डाइट के बाद महिला का हुआ बुरा हाल

बीजिंग। आज के समय में स्लिम और सुंदर दिखने की दीवानगी लोगों पर इस कदर हावी हो गई है कि वे अपनी सेहत की कीमत पर जानलेवा नुस्खे अपनाने से भी नहीं कतराते। हाल ही में चीन के हेनान प्रांत से एक ऐसी ही झकझोर देने वाली घटना सामने आई है, जिसने सबको हैरान कर दिया है।



5 फीट 3 इंच की एक 31 वर्षीय महिला का वजन 70 किलो था। उसे जल्दी वेट लॉस करना था। इसके लिए उसने ऐसा खतरनाक रास्ता चुना, जिसने उससे उसका चलना-फिरना ही छीन लिया। महिला ने लगातार 15 दिनों तक बिना कुछ खाए, सिर्फ पानी के सहारे रहने का फैसला किया। इस क्रैश डाइट से उसने 20 किलो वजन तो घटा लिया, लेकिन उसकी हालत ऐसी हो गई कि आज वह अपने पैरों पर ठीक से खड़ी भी नहीं हो पा रही है और उसकी चाल बिजुल पेंगुइन जैसी हो गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, जब हालत बिगड़ने पर उसने अस्पताल में भर्ती कराया गया, तो डॉक्टरों की रिपोर्ट देख पैरों तले जमीन खिसक गई। महिला को 'वर्निक एन्सेफेलोपैथी' नाम की गंभीर दिमागी बीमारी हो गई थी। यह बीमारी शरीर में विटामिन बी1 की भारी कमी और अत्यधिक कुपोषण की वजह से होती है। इसकी चपेट में आने के बाद महिला को भ्रम होने लगा, याददाश्त कमजोर हो गई, आंखों को हिलाने में दिक्कत आने लगी और शरीर का संतुलन पूरी तरह बिगड़ गया। डॉक्टरों के मुताबिक, लंबे समय तक भूखा रहने और पोषण न मिलने से महिला के नर्वस सिस्टम के बहुत गहरे नुकसान पहुंचा है। न्यूरोलॉजिस्ट का कहना है कि तमाम इलाज के बाद भी इस बात की आशंका है कि उसकी यह पेंगुइन जैसी चाल उम्रभर के लिए ऐसी ही बनी रह सकती है।

नीले केकड़ों के खिलाफ इटली ने उतारी 1.30 लाख बेबी ऑक्टोपस की फौज

रोम। इटली ने एक खतरनाक घुसपैठिए से निपटने के लिए नया हथियार खोज लिया है। यह हथियार कोई मशीन नहीं, बल्कि ऑक्टोपस की एक विशाल आर्मी है। इटली के समंदर में ब्लू क्रैब नाम के केकड़ों ने भारी आतंक मचा रखा है। ये क्रैब दशकों पहले गलती से इटली के पानी में आ गए थे। अब इनकी संख्या बहुत ज्यादा बढ़ गई है। ये क्रैब मछली पकड़ने वाले जाल फाड़ रहे हैं। इसके अलावा ये कीमती सीप और मसल्स को भी खा रहे हैं। इससे इटली की कोस्टल इकॉनमी को भारी नुकसान हो रहा है। इस तबाही को रोकने के लिए साइंटिस्ट्स ने समंदर में लाखों ऑक्टोपस छोड़ने का फैसला किया है। उम्मीद है कि ये ऑक्टोपस बड़े होकर इन केकड़ों को अपना शिकार बनाएंगे। इस बड़े कदम से इटली की फिशिंग इंडस्ट्री को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। ब्लू क्रैब का वजन लगभग दो पाउंड होता है। इनके नीले रंग के पंजे काफी आकर्षक लगते हैं, लेकिन ये बहुत खतरनाक होते हैं। इन केकड़ों का कोई नेचुरल शिकारी नहीं है। इसलिए इनकी आबादी तेजी से बढ़ रही है। कोलिडरेटी नाम के एक संगठन ने इस नुकसान का एनालिसिस किया है। यह संगठन मछुआरों और किसानों का प्रतिनिधित्व करता है। उनके अनुसार के मुताबिक अब तक 200 मिलियन यूरो यानी लगभग 170 मिलियन पाउंड (लगभग 22,24,18,00,000 रुपए) का नुकसान हो चुका है। ये क्रैब समंदर में मिलने वाले क्लैम और मसल्स को पूरी तरह चट कर जाते हैं। एमिलिया-रोमग्ना के एग्रीकल्चर और फिशरीज इंजीनियरिंग एकेडमी ने कहा, 'ब्लू क्रैब सिर्फ एक आक्रामक प्रजाति नहीं है। यह हमारे पानी में आए अब तक के सबसे गंभीर संकटों में से एक है।' कुछ इलाकों में इन केकड़ों ने 70 प्रतिशत क्लैम प्रोडक्शन को नष्ट कर दिया है।



ऑक्टोपस बड़े होकर इन केकड़ों को अपना शिकार बनाएंगे। इस बड़े कदम से इटली की फिशिंग इंडस्ट्री को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। ब्लू क्रैब का वजन लगभग दो पाउंड होता है। इनके नीले रंग के पंजे काफी आकर्षक लगते हैं, लेकिन ये बहुत खतरनाक होते हैं। इन केकड़ों का कोई नेचुरल शिकारी नहीं है। इसलिए इनकी आबादी तेजी से बढ़ रही है। कोलिडरेटी नाम के एक संगठन ने इस नुकसान का एनालिसिस किया है। यह संगठन मछुआरों और किसानों का प्रतिनिधित्व करता है। उनके अनुसार के मुताबिक अब तक 200 मिलियन यूरो यानी लगभग 170 मिलियन पाउंड (लगभग 22,24,18,00,000 रुपए) का नुकसान हो चुका है। ये क्रैब समंदर में मिलने वाले क्लैम और मसल्स को पूरी तरह चट कर जाते हैं। एमिलिया-रोमग्ना के एग्रीकल्चर और फिशरीज इंजीनियरिंग एकेडमी ने कहा, 'ब्लू क्रैब सिर्फ एक आक्रामक प्रजाति नहीं है। यह हमारे पानी में आए अब तक के सबसे गंभीर संकटों में से एक है।' कुछ इलाकों में इन केकड़ों ने 70 प्रतिशत क्लैम प्रोडक्शन को नष्ट कर दिया है।

इंसानों से बढ़ा टकराव, जापान में 14 हजार भालुओं को मार डाला

टोक्यो। जापान में सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2025 से लेकर जनवरी 2026 के बीच 14 हजार से ज्यादा भालुओं को मार दिया गया है। इसकी वजह जापान की खूरसूरत

पहाड़ियों और घने जंगलों में इन दिनों इंसानों और भालुओं के बीच टकराव बढ़ना है। जंगलों में रहने वाले भालु अब खाने की तलाश में रिहायशी इलाकों तक पहुंच रहे हैं। हालात, इन बिगड़ गए कि जापान में भालुओं को पकड़कर मार दिया जाने लगा। शिकारियों की भी घटी संख्या : जापान सरकार की तरफ कहा गया है कि प्रशिक्षित शिकारियों की कमी के कारण समस्या बढ़ी है। 1975 के बाद



सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर जापान में भालू रिहायशी बस्तियों तक क्यों जा रहे हैं? जवाब है कि जंगलों में खाना कम होने पर बस्तियों में भालू पहुंचने लगे। बताया जा रहा है कि जापान के कई इलाकों में भालुओं और इंसानों के बीच टकराव की बड़ी वजह भोजन की कमी है।

हर्षिभूमि कम्प्यूटेशनल प्राइवेट लिमिटेड के लिए स्टूडेंट प्रकल्प के अंतर्गत किए गए हर्षिभूमि परियोजना, रिंग रोड नं. 2, गौवध, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) - 495001 से जुड़े हुए हर्षिभूमि कर्मचारी, रिंग रोड नं. 2, गौवध, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) - 495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमंशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052, e-mail : bilaspur@haribhoomi.com

स्पेस में भेजीं 3,300 रानी मधुमक्खियां, जीरो ग्रेविटी में टकराने के बाद बनाया अनोखा रिकार्ड!

रिसर्च

हाल की इस रिपोर्ट ने बढ़ा दी है वैज्ञानिकों की चिंता

इलेक्ट्रिक रेन का खतरा! बारिश की बूंदें तोड़ रही हैं लोहे की सुरक्षा

बर्लिन। एसिड रेन के बाद वैज्ञानिकों ने इलेक्ट्रिक रेन के बारे में खोज की है, जो आपके घर या आसपास रखे लोहे के सामान के लिए खतरनाक साबित होगी। वैज्ञानिकों की इस नई रिसर्च ने चिंता बढ़ा दी है। आपके घर या आसपास रखे मेटल या लोहे के सामान पर कई बार जंग लग जाती है। आमतौर पर माना जाता है कि एसिड रेन लोहे या मेटल्स को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाती है। इसके अलावा प्रदूषण से भी लोह के समानों पर जंग लगती है। इस बीच एक ऐसी रिपोर्ट सामने आई है, जिसने लोगों को हैरान कर दिया है। दरअसल, जर्मनी की मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट के रिसर्चर्स ने हैरान करने वाला दावा किया है। इस रिसर्च में बताया गया कि इलेक्ट्रिकली चार्ज्ड पानी के कारण भी मेटल्स पर जंग लगती है।



जंग से बचने की नई तकनीक की जरूरत?

नई रिसर्च को लेकर वैज्ञानिकों ने चिंता जताई है। रिसर्चर्स का कहना है कि चार्ज्ड पानी नेचुरल तरीके से कई जगह बनता है। हैरान करने वाली बात है कि यह बादली, आंधी-तूफान, समंदर की लहरों और झरनों में भी खुद से पैदा हो जाता है। कुछ इंडस्ट्रियल प्रोसेस के दौरान भी ऐसा होता है। शोधकर्ताओं ने माना कि यह अनदेखा खतरा दुनिया की तमाम ऐतिहासिक धरोहरों को घुसापा खोखला कर रहा है। बताया जाता है कि मौजूदा एंटी-करोजन रणनीतियां इस खतरे से निपटने के लिए काफी साबित नहीं हो सकती हैं।

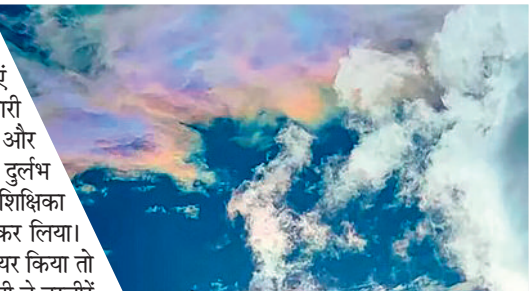


खतरे से निपटने के लिए उठाए जाने वाले कदम

हालांकि, यह स्टडी केवल लैब तक सीमित नहीं है। नेचर जर्नल की रिपोर्ट बताती है कि इस रिपोर्ट ने अब एक नई परेशानी की ओर वैज्ञानिकों का ध्यान खींचा है। हालांकि, अभी यह पता लगाना बाकी है कि सामान्य जीवन में बारिश का पानी कितना चार्ज होता है। भविष्य में आने वाली रिसर्च में पता चलना कि रोमनर्स की चीजों पर इसका कितना असर होगा। माना जा रहा है कि जब एक बार वैज्ञानिक इस खतरे को पूरी तरीके से समझ लेंगे, फिर इससे बचाव के तरीके भी सामने आएंगे।

लद्दाख में दिखा दुर्लभ कुदरती करिश्मा

नई दिल्ली। लद्दाख का भारत का ठंडा गैंगिस्तान कहा जाता है। वहां पर साल भर हाइ लगा देने वाली ठंडी हवाएं बहती हैं और कई इलाकों में भारी बर्फबारी होती है। हालांकि, काफी इलाके ठंडे और सूखे रहते हैं। अब इसी लद्दाख में एक दुर्लभ नजारा देखने को मिला है। वहां पर एक शिक्षिका ने अपने कैमरे में कुछ खास रिकॉर्ड कर लिया। उन्होंने इन तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर किया तो लोग दंग रह गए और देखते ही देखते ही वे तस्वीरें वायरल हो गईं। आखिर प्रेरणा दलाल के कैमरों ने ऐसा किया रिकॉर्ड कर लिया था लोग अवाक रह गए। प्रेरणा दलाल योग शिक्षिका हैं। वे लद्दाख घूमने गई थीं। वहां पर उन्होंने लद्दाख के पहाड़ों पर आसमान में हरे, नीले और बैंगनी रंग के बादल देखे। ऐसा लग रहा था कि जैसे किसी ने हल्के पेस्टल रंगों से आसमान को पेंट कर दिया हो।



अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर तस्वीरें पोस्ट करके प्रेरणा ने लिखा, 'आकाश में जब बादल इंद्रधनुष में बदल जाते हैं। लद्दाख के ग्लेशियरों के ऊपर ड्रोन शॉट लते समय मैंने यह नजारा देखा। सच कहूं तो मुझे समझ ही नहीं आ रहा था कि मैं क्या देख रही हूं। मैं बस वहां खड़ी होकर सोचती रही कि यह क्या है?' उनकी तस्वीरों को देखकर इंटरनेट यूजर्स बुरी तरह चौंक गए।

क्या होता है बादलों का सतरंगी होना?

रिपोर्ट के मुताबिक, बादलों को सतरंगी हो जाने की घटना को 'क्लाउड इरिडिसेंस' या 'इंद्रधनुषी बादल' कहा जाता है। यह तब होता है, जब सूर्य की रोशनी बादलों में मौजूद पानी की छोटी बूंदों के साथ संपर्क करता है। इस वजह से प्रकाश का बिखराव होता है, जिससे इंद्रधनुष जैसे रंग बनते हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, हालांकि क्लाउड इरिडिसेंस एक प्राकृतिक घटना है। इसके बावजूद, यह काफी दुर्लभ और क्षणिक घटना होती है। इसे देखना बेहद खास होता है। चूंकि, लद्दाख बहुत ऊंचाई पर है और वहां का वातावरण भी एकदम साफ रहता है। इसलिए वहां पर ऐसी अनोखी वायुमंडलीय घटनाएं देखने को मिल जाती हैं।

ये है दुनिया का सबसे जहरीला पक्षी

केनबरा। दुनिया में कई खतरनाक जीव-जंतु हैं जिन्हें देखकर इंसान दूर भागते हैं। लेकिन, क्या आपने कभी किसी ऐसे पक्षी के बारे में सुना है जो इतना जहरीला हो कि अनुभवी शिकारी भी उसे छूने से डरें? जी हाँ, ऐसा पक्षी वाकई मौजूद है। इसका नाम है हुडेड पिटोहूहू। इसे दुनिया का

सबसे जहरीला पक्षी माना जाता है। इस पक्षी के पंखों, त्वचा और शरीर में जानलेवा जहर छिपा रहता है। न्यू गिनी के घने जंगलों में रहने वाले कबीलाई लोग भी इसे देखते ही छोड़ देते हैं क्योंकि वे अच्छी तरह जानते हैं कि इसका शिकार उन्हें अपाहिज कर सकता है।

PRADIKSHA HERBAL

आयुर्वेदिक ताकत, दर्द से तुरंत राहत

प्रदिक्षा आर्थो ऑयल

MRP ₹ 120/-

साइड इफेक्ट रहित

घुटने का दर्द, साइटिका, गठिया, हड्डियों का दर्द, जकड़न, मांसपेशियों में सूजन, आमवात, संघिवात और मोच में तेज असर

सुपर स्टीकिरट

सभी प्रमुख मेडीकल्स में उपलब्ध

सुपर स्टॉकिरट

सभी प्रमुख मेडीकल्स में उपलब्ध

उर्मिला मेमोरियल सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल

200 बिस्तरों का सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल

UMH

आयुष्मान भव

24x7 आपातकालीन सुविधा

किडनी एवं मूत्र रोग समस्याओं हेतु

प्रतिदिन उपलब्ध

डॉ. आर.के. साहू

DM

किडनी रोग

डॉ. पंकज सिंह

M.ch.

मूत्र रोग विशेषज्ञ

किडनी एवं मूत्र रोग

अगर आप निम्न समस्याओं से पीड़ित है...

- किडनी डायलिसिस • किडनी स्टोन • पेशाब में सूजन • सांस फूलना • पेशाब का रंग गहरा होना • प्रोस्टेट कैंसर • पेशाब की समस्याएं • पथरी • पेशाब नली की सिकुड़न • महिलाओं में मूत्र समस्याएं

आयुष्मान कार्ड से डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध

ALL TPA, INSURANCE, SECL, SAIL, RAILWAY, AIRPORT, NTPC, CG STATE & CENTRAL GOVT., CSEB

नहर रोड, भातागांव, रायपुर (छ.ग.)

मो.: 0771-4088820, 9109125524, 95899 56859